यश भारत

नये जमाने के साथ..

● वर्ष- 17 अंक 104 ● कटनी ● बुधवार, 17 मई, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

जबलपुर में आज का मौसम

आज सुबह का तापमान

24.8 डिसे

दोपहर 12 बजे तक

36 डिसे

मौसम में बदलाव के आसार

आईएएस अधिकारी धर्मेंद्र सिंह गिरफ्तार, 1.10 करोड़ रिश्वत ली, फिर काम भी नहीं किया

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करते हुए एक आईएएस अधिकारी धर्मेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है. उन पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी टेंडर देने की एवज में दिल्ली के रहने वाले ललित मित्तल से एक करोड़ 10 लाख रुपए रिश्वत ली थी. जब ठेकेदार का काम नहीं हुआ तो उसने पैसे वापसी की मांग की और इसके बाद अधिकारी ने पैसे वापस देने से मना कर दिया.बाद में फरीदाबाद थाना कोतवाली में शिकायत दी गई. फरीदाबाद पुलिस ने मामले की जांच की और फिर को जुटाने के बाद आईएस धर्मेंद्र सिंह को उनके निवास स्थान गुरुग्राम से देर रात गिरफ्तार किया है, जिन्हें आज कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

खालिस्तानी, गैंगस्टर और तस्कर सब पर शिकंजा

NIA ने मप्र समेत 6 राज्यों में 120 जगहों पर मारी रेड

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार की सुबह गैंगस्टरों, खालिस्तानियों और तस्करों की सांठगांठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देश के 6 राज्यों में 120 से स्थानों पर छापेमारी की है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में गैंगस्टरों और खालिस्तानियों की गतिविधियों से संबंधित सुरागों के आधार पर छापेमारी की जा रही हैं। यह छापेमारी लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़, नीरज बवाना समेत दर्जन भर गैंगस्टर्स के करीबियों पर की गई है। केंद्रीय एजेंसियों, दिल्ली पुलिस और अन्य राज्यों की पुलिस ने पिछले सात महीनों से देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पाकिस्तान, कनाडा, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका जैसे देशों संचालित हो रहे इन संगठित अपराधियों और आतंकवादियों का पीछा किया है। इस दौरान कई गैंगस्टरों की गिरफ्तारी भी की गई।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच जैसी इकाइयों ने पिछले छह-सात महीनों में गैंगस्टर- आतंकवादी गठजोड़ के 51 कट्टर शीर्ष गुर्गों और 217 मध्य स्तर के अपराधियों की गिरफ्तार किया है। उनसे एके-47 एमपी-5, ग्रेनेड लांचर और हथगोले आदि सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला- बारूद जब्त किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर

प्रदेश आदि जैसे राज्यों में पुलिस ने पूरे गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करने के लिए दर्जनों बार छापे मारे हैं। इसके अलावा एनआईए ने पिछले छह-सात महीनों में सात राज्यों में पांच राउंड में 200 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर लगभग 30 गैंगस्टरों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। 13 संपत्तियों को भी जब्त कर लिया है। 95 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। 20 लुक आउट सर्कुलर जारी किए हैं। एक अधिकारी ने कहा, ये गिरोह बड़े पैमाने पर जनता के बीच भय और दहशत फैलाने के लिए आतंक और हिंसा को प्रचारित करने के लिए साइबर स्पेस का उपयोग कर रहे थे। एनआईए ने पाया है कि मारने और जबरन वसूली करने की इनमें से कई साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों के अंदर से रची जा रही थीं। विदेशों में स्थित गुर्गों के एक संगठित नेटवर्क द्वारा इसे अंजाम दिया जा रहा था।

द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकी फैजल के खिलाफ आरोप पत्र

इससे पहले एनआईए ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की एक शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट की गतिविधियों से जुड़े मामले में एक आरोपित के खिलाफ सोमवार को पूरक आरोपपत्र दाखिल किया। एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू के तालाब खटिकन इलाके के रहने वाले फैजल मुनीर उर्फ अली भाई इस मामले में आरोपपत्र में नामजद चौथा आरोपित है। एनआईए ने 18 नवंबर, 2021 को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने पटियाला हाउस में विशेष एनआईए अदालत में दाखिल पूरक आरोप पत्र में मुनीर पर भारतीय दंड संहिता, शस्त्र कानून और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं।

सिद्धारमैया होंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री, कल शपथ लेंगे

डीके डिप्टी सीएम +2 मंत्रालय+प्रदेश अध्यक्ष

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया होंगे। इसका ऐलान राहुल गांधी करेंगे। डीके शिवकुमार के पास डिप्टी सीएम के साथ, दो ऊर्जा और सिंचाई मंत्रालय और प्रदेश अध्यक्ष का पद रहेगा। शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को होगा। दोनों नेता 10 मंत्रियों के साथ शपथ लेंगे। सीएम पद को लेकर पिछले चार दिनों से बेंगलुरु से लेकर दिल्ली तक कई बैठकें हुई। सिद्धारमैया रेस में सबसे आगे चल रहे थे। इससे पहले रविवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सभी MLA ने नेता चुनने के लिए खड़गे को अधिकृत किया था। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने ऑब्जर्वर्स से सभी विधायकों से वन-टु-वन बात करने को कहा था। इनमें 80 से ज्यादा विधायकों ने सिद्धारमैया के फेवर में वोट किया था।

पहले 2 फॉर्मूला पर चर्चा चल रही थी

पहला- सिद्धारमैया को पहले ढाई साल तक सीएम बना दीजिए। फिर ढाई साल बाद कुर्सी डीके को दी जाए, लेकिन दोनों इस पर सहमत नहीं है।

दूसरा- सिद्धारमैया को सीएम बना दिया जाए। डीके को PCC के चीफ के अलावा दो बड़े मंत्रालय दिए जाएं।

डीके शिवकुमार ने मंगलवार सुबह बेंगलुरु में कहाथा कि हम सब एक हैं। हम 135 हैं। मैं किसी को डिवाइड नहीं करना चाहता। वे भले ही मुझे पसंद करें या नहीं। मैं एक जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं धोखा नहीं दूंगा और ना ही ब्लैकमेल करूंगा। हमने कांग्रेस पार्टी को बनाया, हमने इस घर को बनाया। मैं इसका हिस्सा हूं।उन्होंने कहा, एक मां अपने बच्चे को सब कुछ देती है। सोनिया गांधी हमारी आदर्श हैं। कांग्रेस हर किसी के लिए परिवार की तरह है। हमारा संविधान बेहद महत्वपूर्ण है और हमें सभी के हितों की रक्षा करनी है। लोकसभा में 20 सीट जीतना हमारा अगला लक्ष्य है। 13 मई को चुनाव का परिणाम आने के बाद से अब तक कांग्रेस सीएम का ऐलान नहीं कर सकी थी। 4 दिन बाद आज सिद्धारमैया पर सहमति बनी।

» न्यूज गैलरी

19 मई से विदेश यात्रा पर रहेंगे पीएम मोदी, करेंगे जापान, पापुआ न्यू गिनी और आस्ट्रेलिया का दौरा

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

प्रधानमंत्री मोदी इसी सप्ताह तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। अपनी इस तीन दिनी यात्रा में वे जापान, न?यू पापुआ गिनी और आस्ट्रेलिया का दौरा करेंगे। पीएम मोदी सबसे पहले 19-21 मई तक जापान के पीएम किशिदा फूमियो के आमंत्रण पर हीरोशिमा जाएंगे जहां वह जी-सात देशों के प्रमुखों की बैठक में हिस्सा लेंगे। जी-सात दुनिया के सबसे अमीर सात देशों का संगठन है और पिछले कुछ वर्षों से इसकी कई शीर्ष बैठकों में भारतीय पीएम को भी आमंत्रित किया जाता रहा है।यहां पीएम मोदी के अलावा जापान, ब्रिटेन, इटली, कनाडा, अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस के राष्ट्र प्रमुख भी होंगे। इस बैठक में मुख्य तौर पर यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा, खाद्यान्न और उर्वरक संकट की मौजूदा स्थिति और वैश्विक आर्थिक हालात को लेकर चर्चा होगी। पीएम मोदी की हीरोशिमा में कुछ देशों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठक भी होने की संभावना है।

महाकाल के गर्भगृह में बैग लेकर पहुंची अभिनेता गोविंदा की पत्नी, पुजारी को मिलेगानोटिस

■ उज्जैन, ईएमएस।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में सोमवार को प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा बैग लेकर गर्भगृह में भगवान महाकाल के दर्शन करने पहुंची थी। मंदिर के नियमानुसार गर्भगृह में बैग,झोला,पॉलीथिन आदि वस्तुएं ले जाने पर प्रतिबंध है। मामले में मंदिर प्रशासन बुधवार को पं.रमण त्रिवेदी को नोटिस जारी करेगा। गर्भगृह, नंदी हाल निरीक्षक तथा जल द्वार पर तैनात गार्ड पर भी कार्रवाई होगी। महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में गर्भगृह में प्रवेश के लिए विशेष नियम है। कोई भी व्यक्ति बैग,झोला,शस्त्र, लाठी आदि प्रतिबंधित वस्तुएं लेकर प्रवेश नहीं कर सकता है।गर्भगृह में प्रवेश बंद रहने के दौरान पुरुषों को सोला तथा महिलाओं को साड़ी पहनना अनिवार्य है। नियमों का पालन कराने के लिए मंदिर समिति ने गर्भगृह व नंदी हाल निरीक्षक की नियुक्ति कर रखी है।

विशुद्ध हेल्थ केयर

माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब

Dr.Ankit Seth

MD,DEM,FICM.PGC Diabetology (Boston USA) Consultant Physician - Diabetologist

Phon-0761-4035454

Mo.9753000122

2365, राईट टाउन, मदन महल स्टेशन रोड, पी.एण्ड टी. गेट नं. 4 चौराहा, जबलपुर (म.प्र.)

शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये वसूलने वाले थे समीर वानखेड़े एक सेल्फी ने बिगाड़ा खेल

■ मुंबई, एजेंसी।

सीबीआई ने अक्टूबर 2021 में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार करने वाले एनसीबी के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ एक सतर्कता रिपोर्ट के आधार पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने वानखेडे पर भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7 7ए और 12 और आईपीसी की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) और 388 (धमकी देकर जबरन वसूली) के तहत मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी के मुताबिक समीर वानखेड़े आर्यन खान मामले में 25 करोड़ रुपये वसूलने की योजना बना रहे थे। सैम डिसूजा को एनसीबी ने एलएसडी बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।एक पत्रिका ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि समीर वानखेड़े और उनकी टीम ने 10 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। सूत्रों के मुताबिक, समीर वानखेड़े और वीवी सिंह को यह रकम मिली थी। बाद में डिसूजा वानखेड का मुखबिर बन गया। उसकी मुख्य भूमिका वानखेड़े के लिए टारगेट की पहचान करना था, जिन्हें नशीली दवाओं के आरोपों में फंसाया जा सकता था। उसका नकली ड्रग्स प्लांट करने में भी इस्तेमाल किया जाता था। गुजरात का रहने वाला एक पाटिल समीर वानखेड़े का मुखबीर था वह क्रूज पर रेव पार्टीज़ और पार्टी में शामिल होने वाले हाई-प्रोफाइल के बारे में सूचित किया था। हालांकि, एनसीबी को आर्यन खान की क्रूज पार्टी में मौजूदगी की जानकारी नहीं थी। पाटिल पहले से ही सैम डिसूजा को जानता था। डिसूजा ने मनीष भानुशाली और किरेन गोसावी को वानखेड़े और उनकी टीम से मिलवाया था।

देश में हर साल उच्च रक्तचाप से जान गंवा रहे लाखों लोग

नई दिल्ली , एजेंसी ।भारत में समय से पहले मरने वालों में उच्च रक्तचाप प्रमुख कारणों में से एक है। देश में हर साल मिलने वाले स्ट्रोक के 29 फीसदी और हार्ट अटैक के 24 फीसदी मामलों में भी उच्च रक्तचाप जिम्मेदार है। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल बताते हैं, जीवनशैली में बदलाव के जरिये इसे रोका जा सकता है, जिसमें शारीरिक गतिविधि , योग और आहार संशोधन शामिल है। इसके अलावा, लोगों को नियमित अंतराल पर रक्तचाप की जांच करानी चाहिए।

गांव, शहर दोनों ही परेशान

मानसिक तनाव रक्तचाप को बढ़ाने में सबसे अहम किरदार निभाता है। इसलिए तनाव से बचना चाहिए। उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों ही आबादी में देखने को मिल रही है। डॉ. दौरे राज प्रभाकरन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया भारत में सालाना 2.60 लाख मौतों के लिए उच्च रक्तचाप को प्रमुख कारण माना जाता है। वहीं वैश्विक स्तर पर हर साल 94 लाख से ज्यादा लोगों की मौत इसकी वजह से हो रही है।

आधे से ज्यादा लोगों को पता ही नहीं चलता

एम्स, नई दिल्ली के डॉ. अरविंद कुमार का कहना है कि अगर किसी को लंबे समय तक उच्च रक्तचाप की परेशानी है, तो यह हृदय रोग को बढ़ावा दे सकती है। आधे से ज्यादा लोगों को अपने उच्च रक्तचाप के बारे में पता ही नहीं होता है। इन रोगियों से जब पूछा जाता है तो उनमें से अधिकांश को यह याद नहीं कि अंतिम बार रक्तचाप की जांच कब कराई थी? इस 'साइलेंट किलर' से दुनिया में हर तीसरा व्यक्ति पीड़ित है।

त्र्यंम्बकेश्वर में जबरन घुसने का मामला मुस्लिम बोले- पहली बार हो रहा विरोध

■ नासिक, एजेंसी।

महाराष्ट्र के नासिक स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंम्बकेश्वर मंदिर में मुस्लिम युवकों के जबरन घुसने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी है। इस बीच पूरे मामले में स्थानीय मुस्लिमों का पक्ष भी सामने आ गया है। स्थानीय मुस्लिम समुदाय का कहना है कि वे हर वर्ष मंदिर के बाहर से ज्योतिर्लिंग को लोबान दिखाने की रीति निभाते आ रहे हैं, लेकिन इसका विरोध पहली बार हो रहा है।नासिक डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष परवेज कोंकणी कहते हैं, मुझे आश्चर्य हो रहा है कि इस बार अचानक ये सवाल क्यों उठाया जा रहा है? त्र्यंम्बकेश्वर कस्बे के कई हिंदू भी मानते हैं कि स्थानीय मुस्लिमों द्वारा हर वर्ष उर्स के मौके पर ज्योतिर्लिंग को लोबान दिखाने की परंपरा चली आ रही है।

हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन आज

मामले में चार मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनसे पूछताछ जारी है। 13 मई की रात करीब पौने 10 बजे 10 से 12 युवकों ने मंदिर में घुसने का प्रयास किया था। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

शांति बनाए रखने की अपील

इस बीच,मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लोगों से सहयोग करने और शांति बनाए रखने की अपील की है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि मंदिर में सिर्फ हिंदुओं को प्रवेश करने की अनुमति है। इस संबंध में मंदिर ट्रस्ट ने पुलिस में शिकायत दी है।

देवरी में कार और बाइक की टक्कर में दो लोगों की मौत

■ सागर, यशभारत।

सागर जिले से होकर गुजरने वाले नेशनल हाइवे-44 पर देवरी बीना तिराहा पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। देवरी के बीना तिराहा पर मारुति कार और मोटर साइकिल की रोड क्रॉस करते वक्त जबरदस्त टक्कर हो गई, जिसमें कार अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलट गई।वहीं, कार की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची देवरी पुलिस के द्वारा कार सवार घायलों को 108 एंबुलेंस से देवरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार कियागया। बता दें कि कार में एक ही परिवार के करीब छह लोग सवार थे, जो सभी निवासी सागर जिले के राहतगढ़ के रहने वाले हैं।

यदि आप को यशभारत न्यूज पेपर नहीं प्राप्त हो रहा है तो संपर्क करें

मो. 9407348995, 7999718732

सागर का नरेश जाएगा मुंबई... वहां होगा दिल का इलाज, शिवराज सरकार उठाएगी पूरा खर्च

■ सागर, यशभारत।

सागर के देवरी विकासखंड के सहजपुर निवासी मुकेश पटेल के बेटे को मुंबई में दिल का इलाज किया जाएगा जहां उसके इलाज का सारा खर्च मप्र प्रदेश की शिवराज सरकार वहन करेगी। नरेश पिछले 8 महीनों से दिल में छेद जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। नरेश का अब मुंबई के नारायण हॉस्पिटल में इलाज किया जाएगा. शिवराज सरकार सर्जरी तक का खर्च उठाने को तैयार है और इसकी प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. जल्द ही मासूम बच्चा स्वस्थ होकर घर वापस लौटेगा। सोमवार को नरेश को सरकारी वाहन से सागर से भोपाल के सिद्धांता रेड क्रॉस अस्पताल भेजा गया था, जहां पर उसका चेकअप किया गया. जिसके बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है. सरकार ने उसे मुंबई के नारायण अस्पताल में इलाज कराने की चर्चा की है. इस अस्पताल में मुख्यमंत्री बाल उपचार योजना से संबंधित इलाज होता है. इसी योजना के तहत सरकार पूरा खर्च उठा रही है। मासूम बच्चे को उसके माता पिता के साथ मुंबई भेजा जाएगा. सागर कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि अगर बच्चे को सर्जरी की आवश्यकता पड़ी तो वह भी करवाई जाएगी. डॉक्टरों से मिले फीडबैक के आधार पर उसे आज मुंबई भेजा रहा है. बता दें कि 2 दिन पहले नरेश के पिता ने सीएम के कार्यक्रम में अपने एक वर्ष के बच्चे को मंच की तरफ फेंकने की कोशिश की थी. यह देखकर सीएम शिवराज दंग रह गए थे. उन्होंने मंच से ही उसे बुलाकर अधिकारियों को जल्द इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए थे. सीएम शिवराज के निर्देश के बाद सोमवार को उसे सागर कलेक्ट्रेट परिसर से सरकारी वाहन से भोपाल भेजा गया था. बच्चे को फेंकने वाले देवरी विकासखंड के सहजपुर निवासी मुकेश पटेल ने बताया था कि उसके दो बेटे हैं. एक की उम्र 3 साल है. छोटा बेटा एक साल का है।

खेलते खेलते दो मासूम ,बच्चियां कुएं में गिरीं, हो गई मौत

जयसिंहनगर के ग्राम उमरखोई में एक हृदय विदारक घटना

■ शहडोल, यशभारत।

शहडोल जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उमरखोई में एक हृदय विदारक घटना में दो मासूम बच्चियों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम उमरखोई निवासी आनंद राव लोनी की दो बेटियां राजनंदिनी (4) और निर्जला डे? साल खेलते समय घर में स्थित कुएं में गिर गई, जिससे दोनों बच्चियों की पानी में डूबने से मौत हो गई।बता दें कि घटना के समय पिता गांव मे ही तेंदु पत्ता तोड़ने गए थे, जबकि मा अंदर रसोई में खाना बना रही थी। इस बीच दोनों बच्चियां खेलते-खेलते कुएं में गिर गई। घटना की जानकारी लगने के बाद दोनों का शव कुएं से बाहर निकाला गया। वहीं, इस हृदय विदारक घटना के बाद माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। उन्हें एक बार तो यकीन ही नहीं हो रहा है कि घर में दिन भर अपने नन्हे कदमों से चहल-कदमी करने वाली उनकी दोनों बेटियां अब इस दुनिया मे नहीं हैं। वहीं, गांव में भी इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। मासूम बच्चियों का शव देख हर किसी की आंखें नम हो गई।

बहन से छेड़छाड़ करने से रोकने पर बालक की हत्या

सिवनी के बरघाट मे तीन नाबालिगों ने चेन से गला घोंटा, चाकू से गर्दन पर किए कई वार, बोरे में भरकर फेंका शव

■ सिवनी, यशभारत।

सिवनी जिले में तीन नाबालिगों ने अपने नाबालिग दोस्त की हत्या कर दी। तीनों नाबालिगों ने बालक को एक कमरे में बंद कर गला घोंटा, इसके बाद गर्दन में चाकू मारकर और पत्थर से कुचलकर जान ले ली। वारदात के बाद आरोपी शव को ठिकाने लगाने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही पकड़े गए। पुलिस ने तीनों को बाल सुधार गृह भेज दिया है। 12 वर्षीय इकलौते बेटे की मौत के बाद से परिवार सदमे में है। माता-पिता, बहन, दादी और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे की मौत के बारे में पूछने पर पिता भी फूट-फूटकर रोने लगते हैं। उनका कहना है कि मैं पहले अच्छी नौकरी करता था। अब नागपुर में टोल प्लाजा पर काम करता हूं। बेटे की मौत के बाद समझा नहीं आ रहा है कि क्या करूं। परिवार का पालन पोषण करूं या बेटे का केस लडूंगा। अब कैसे जीवन कटेगा। यह कहते हुए वे फूट-फूटकर रोने लगे। जिले के बरघाट थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बालक का 16 वर्षीय दोस्त उसकी 9वीं में पढ़ने वाली बहन से छेड़छाड़ करता था। रास्ते में आते-जाते समय 16 वर्षीय बहन को देखकर गाने गाता था। बहन से बात करने का प्रयास करता था। बहन ने इसकी जानकारी परिजनों को दी तो उन्होंने भी नाबालिग आरोपी को समझाया। जब यह बात बालक को पता चली तो उसने दोस्त को टोका, ऐसा नहीं करने का कहा। यह बात आरोपी को नागवार गुजरी। उसने 11 और 14 साल के अपने दो नाबालिग साथियों के साथ बालक को मारने का प्लान बनाया।

क्राइम सीरियल देखकर वारदात - सिवनी एसपी रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि तीनों नाबालिग टीवी और मोबाइल पर क्राइम से संबंधित सीरियल देखते थे। उन्होंने बालक का गला घोंटने के बाद चेन को गले से नहीं निकाला। इसके बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया। हत्या करने वाले बच्चे पब्जी जैसे हिंसक गेम खेलते थे। क्राइम से संबंधित वीडियो भी देखते थे। मुख्य आरोपी को उसके रिश्तेदार ने मोबाइल देखने को लेकर डांटा भी था।

जलेबी खिलाने के बहाने घर बुलाया - मुख्य आरोपी ने रविवार दोपहर में नाबालिग को जलेबी खिलाने के बहाने अपने घर बुलाया। यहां उसके दो दोस्त पहले से मौजूद थे। आरोपियों ने मेन गेट पर बाहर से ताला लगा दिया। 16 साल का मुख्य आरोपी पीछे के दरवाजे से घर में पहुंचा। हत्या के बाद घर में खून फैलने पर तीनों ने शव को एक बड़ी पॉलीथिन में रखा। इसके बाद उसे बोरे में भरकर घर से पीछे फेंक दिया। (यह तस्वीर आपको विचलित कर सकती है, लेकिन घटना की वीभत्सता दिखाने के लिए पब्लिश करना जरूरी है। हत्या के बाद घर में खून फैलने पर तीनों ने शव को एक बड़ी पॉलीथिन में रखा। इसके बाद उसे बोरे में भरकर घर से पीछे फेंक दिया। (यह तस्वीर आपको विचलित कर सकती है, लेकिन घटना की वीभत्सता दिखाने के लिए पब्लिश करना जरूरी है।

आवाज दबाने के लिए साउंड सिस्टम तेज किया - यहां उसने घर के साउंड सिस्टम को तेज कर दिया। घर का कूलर चालू कर दिया।

ताकि लोगों को लगे कि वह अपने घर में गाने सुन रहा है। अपने दोनों दोस्तों के साथ साइकिल की चेन से नाबालिग का गला घोंट दिया। उन्हें लगा कि गला घोंटने से उसकी मौत नहीं हुई है तो उन्होंने बकरा काटने के चाकू से नाबालिग की गर्दन, पेट, हाथ व शरीर में कई जगह पर वार किए। इसके बाद भी मौत नहीं होने पर मसाला बांटने के बट्?टे से सिर में कई वार किए।

बोरे में रखकर घर के पीछे फेंका शव - हत्या के बाद घर में खून फैलने पर तीनों आरोपियों ने शव को एक बड़ी पॉलीथिन में रखा। इसके बाद उसे बोरे में रख लिया। यहां से तीनों शव को गांव से दूर फेंकने जा रहे थे। शव के बोरे को मृतक के घर के पीछे वाले हिस्से में ले गए। यहां लोगों की हलचल देखकर शव को छोड़कर आ गए। इसके बाद गाड़ी की व्यवस्था करने गए थे। दोपहर 12 बजे के बाद से शाम चार बजे तक 12 वर्षीय बालक जब घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंतित हो गए।

बोरे के बाहर दिख रहा था पैर - उन्होंने गांव में बच्चे को तलाश किया। इसके बाद भी उसका कोई पता नहीं चला, तब पुलिस को इस पूरे मामले की जानकारी दी। इस समय मृतक के पड़ोस में रहने वाली महिला अपने आंगन में बर्तन धोने आई। उसकी नजर बोरे पर पड़ी। उसे बोरे में से पैर दिखाई दिया। महिला ने आसपास के लोगों को बुलाया। गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पुलिस को बुलाकर बोरे से शव निकाला। नाबालिग की शव देखकर चीत्कार मच गई।

आखिरी बार तीनों आरोपियों के साथ दिखा था बालक - बरघाट पुलिस ने गांव में पूछताछ की तो पता चला कि 12 वर्षीय बालक को आखिरी बार दोपहर करीब 12 बजे गांव के तीनों नाबालिगों के साथ दिखाई दिया था। पुलिस ने तीनों से सख्ती से पूछताछ की। तीनों ने जुर्म कबूलते हुए बताया कि उन्होंने ही बालक की हत्या की है। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर बाल न्यायालय पहुंचा दिया है।

क्राइम सीरियल देखकर वारदात - सिवनी एसपी रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि तीनों नाबालिग टीवी और मोबाइल पर क्राइम से संबंधित सीरियल देखते थे। उन्होंने बालक का गला घोंटने के बाद चेन को गले से नहीं निकाला। इसके बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया। हत्या करने वाले बच्चे पब्जी जैसे हिंसक गेम खेलते थे। क्राइम से संबंधित वीडियो भी देखते थे। मुख्य आरोपी को उसके रिश्तेदार ने मोबाइल देखने को लेकर डांटा भी था।

विजयराघवगढ़ विधानसभा को सरकार ने दी बड़ी सौगात

53 करोड़ 76 लाख की लागत से कारीतलाई तथा करेला में बनेंगे सीएम राइज स्कूल

कटनी, यशभारत। विजयराघवगढ़ विधानसभा को सरकारी ने बड़ी सौगात दी है। विधानसभा अंतर्गत दो गांवों में 53 करोड़ 76 लाख की लागत से 2 सीएम राइज स्कूलों का निर्माण होगा। जिन ग्रामों में यह सीएम राइज स्कूलों का निर्माण होना है वह कारीतलाई तथा करेला हैं। इन दोनों ही सीएम राइज स्कूलों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद आज टेंडर भी जारी कर दिए गए। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का आभार व्यक्त किया है। विजयराघवगढ़ विधानसभा के ग्राम कारीतलाई में 28 करोड़ 76 लाख रुपए एवं ग्राम करेला में 25 करोड़ से सीएम राइज स्कूल का निर्माण प्रारंभ होना है जिसके टैंडर (निविदा) जारी हो चुके है। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदान कराने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा विधायक संजय पाठक का स्थानीय जनों ने आभार व्यक्त किया है।

क्या हैं इन स्कूलों की खासियत

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार की नई शिक्षा पॉलिसी के तहत आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु सीएम राइज योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत 9200 सीएम राइस स्कूल पूरे राज्य में खोले जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा खोले गए स्कूलों में बैंकिंग, अकाउंट, डिजिटल स्टूडियो, कैफेटेरिया, थिंकिंग एरिया, जिम, स्विमिंग पूल आदि सुविधाएं उपलब्ध होगी।

मुख्य विशेषताएं

विद्यालयों का बेहतर नेतृत्व

विद्यालय एवं दक्ष शिक्षक

विद्यालयों की सर्व सुविधायुक्त अधोसंरचना

स्कूलों में होने वाले कार्यक्रमों में बच्चों के अभिभावकों की सहभागिता

शिक्षा में बेहतर गुणवत्ता हेतु स्मार्ट क्लासेस, ऑल टाइप्स लेबोरेटरी आदि की व्यवस्था।

स्टूडेंट्स को पूर्व प्राथमिक शिक्षा

बच्चों के स्कूल से आने जाने के लिए परिवहन की सुविधा

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कला, संगीत, खेलकूद आदि की सुविधा

भविष्य में सफल करियर बनाने हेतु विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा।

बरही कालेज में छात्राओं से उत्पीड़न का मामला

छात्राओं ने की विधायक संजय पाठक से शिकायत, तुरंत एक्शन में आया प्रशासन, प्राचार्य को हटाने की अनुशंसा

कलेक्टर ने गठित की थी जांच समिति, जिसमें मिले चौंकाने वाले तथ्य, शिकायत पाई गई सही

कटनी, यशभारत। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक से छात्राओं द्वारा बरही कालेज के प्राचार्य के खिलाफ की गई शिकायत के बाद हरकत में आये जिला प्रशासन ने इसे को गम्भीरता से लेते श्री पाठक के निर्देश पर की गई जांच में प्राचार्य को हटाने की अनुशंसा की है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने विधायक श्री पाठक के निर्देश पर जांच समिति गठित की थी। जांच समिति ने शासकीय महाविद्यालय बरही की छात्राओं के उत्पीड़न मामले की जांच उपरांत कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपी है जिसमे समिति ने प्राचार्य डॉ वर्मा को पद से हटाने और उनके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य प्राध्यापक को प्राचार्य का प्रभार देने की अनुशंसा की गई है। बता दें कि गत दिनों विधायक संजय पाठक से यहां की छात्राओं ने शिकायत की थी जिसके बाद विधायक श्री पाठक ने कलेक्टर को जांच करने के लिए कहा था। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा गठित जांच समिति ने मंगलवार को शासकीय महाविद्यालय बरही पहुंचकर छात्राओं के उत्पीड़न मामले की शिकायत के संबंध में विस्तृत जांच की। जांच समिति ने कार्यालयीन स्टाफ , प्राचार्य और कालेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मिलाकर करीब 150 लोगों के कथन कलमबद्ध किए। जांच समिति ने प्रथम दृष्टया प्राचार्य डॉ आर के वर्मा पर लगे आरोप को आंशिक रूप से सही पाया। जांच समिति ने अपने जांच प्रतिवेदन में शासकीय महाविद्यालय बरही के प्राचार्य डॉक्टर आरके वर्मा को तत्काल प्रभाव से कॉलेज से हटाने और अन्य योग्य प्राध्यापक को प्राचार्य का प्रभार सौंपने की अनुशंसा की है। साथ ही जांच समिति ने प्राचार्य के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित कर अभिलेखों व दस्तावेज के आधार पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की भी अनुशंसा की है। शासकीय तिलक महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ चित्रा प्रभात की अध्यक्षता में गठित जांच समिति मे सदस्य के तौर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह, सहायक संचालक वनश्री कुर्वेती, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय माधवनगर विभा श्रीवास्तव और सेवानिवृत्त उपसंचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय ए के तिवारी शामिल थे।

शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बेसलाइन सर्वे में दिया योगदान

कटनी, यशभारत। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुये कटनी जिले की विधानसभा क्षेत्र 93-मुड़वारा के 20 मतदान केन्द्रों का बेसलाइन सर्वे किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 93-मुड़वारा एवं प्राचार्य शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी को आयोग से प्राप्त निर्देशों के तहत प्रचार्य डॉ. एसके खरे तथा नोडल अधिकारी डॉ. माधुरी गर्ग ने महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को प्रगणक नियुक्त कर बेसलाईन सर्वे उनकी सहमति के आधार पर उन्हें क्षेत्र दिया गया, जिसमे दिनांक 10 मई तक 400 मतदाताओं से सर्वे कार्य हो चुका है सर्वे कार्य के लिए छात्र छात्राओं के साथ एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. माधुरी गर्ग ने राजेंद्र प्रसाद वार्ड में सहायता की साथ ही डॉ.रुक्मणि प्रताप जी ने वीर सावरकर वार्ड ने सर्वे कार्य में विशेष सहयोग प्रदान किया।फॉर्म को विधिवत तारीके से भरवाया गया कुल 20 छात्र-छात्राओं ने सर्वे कार्य की जिम्मेदारी ली हैद्य जिसमे संचिता तिवारी, सृष्टि तिवारी, तुषा मेहरा, माधुरी नामदेव, गायत्री,सपना,प्रियदर्शनी सिंह, कुंती अभिलाषा चौधरी, देवकी,प्रतिमा, रागिनी अभिषेक तिवारी, विक्रम सिंह ,हरिचरण, महेंद्र, रोहित, रवि प्रसाद, राहुल, आकाश दुबे घर घर जाकर सर्वे कार्य कर रहे हैं।

बुंदेलखंडी गीतों से गुंजायमान हुआ विजयराघवगढ़ महोत्सव

मनोरंजन के साथ ही सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देगा मेला-संजय पाठक

बुंदेलखंडी गायक जित्तू खरे बादल ने बांधा समां

कटनी, यशभारत। विजयराघवगढ़ के बंजारी में कल विजयराघवगढ़ महोत्सव कर शुरूआत बेहद आकर्षक ढंग से हुई। विजयराघवगढ़ के बंजारी मेला ग्राउंड में आयोजित विजयराघवगढ़ महोत्सव के दूसरे दिन मनोरंजक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के क्रम में कल रात बुंदेलखंडी गायक कलाकार जित्तू खरे बादल और उनकी टीम के द्वारा बुंदेलखंडी गीत, राई नृत्य,बुंदेली लोकगीत, बुंदेली जवाबी मंच, बुंदेली कव्वाली की प्रस्तुतियां दी गई। जित्तू खरे के लोक गीत की एक एक प्रस्तुति पर दर्शक झूम रहे थे उसमें बड़ी संख्या में बूढ़े से लेकर जवानों को देखा गया। इस दौरान महोत्सव में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक संजय पाठक ने भी कुछ देर कार्यक्रम को देखा इस दौरान उन्होंने महोत्सव कमेटी की ओर से बुंदेलखंडी गायक कलाकार जित्तू खरे का सम्मान किया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विजयराघवगढ़ महोत्सव पूरे एक माह तक क्षेत्र के लोगों के जीवन में उमंग उत्साह ,मनोरंजन लाने के साथ ही सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देने का काम करेगा । इस दौरान देश विदेश में प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा नृत्य,संगीत,सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाती रहेंगी,स्थानीय प्रतिभागियों की स्टैंड-अप प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है सभी लोग महोत्सव में सपरिवार आएं , परिसर नई-नई फैंसी सामानों से सजी दुकानें ,खान पान के स्टॉल लोगो को खूब लुभा रहें हैं। इस दौरान विधायक संजय पाठक,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष उदयराज सिंह, कटनी नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक,रंगलाल पटेल, मनीष मिश्रा,अजय शर्मा,संतोष केवट,प्रमोद सोनी, जयवंत सिंह चौहान,प्रमोद शुक्ला सहित सम्पूर्ण क्षेत्र से आए हजारों लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति को देखा ।

यहां प्रदेश स्तरीय मेले का आयोजन हो रहा हैं जिसका शुभारंभ हनुमान चालीसा पाठ सुंदर काण्ड के आयोजन के साथ ही क्षेत्रीय सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के द्वारा किया गया था। इस दौरान जिले के जनप्रतिनिधियों क्षेत्र वासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिथि रहने वाली है । कल लोक गायक के पहले कार्यक्रम के साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। देर रात तक लोगों ने अपनी बुंदेलखंडी संस्कृति का खूब आनंद लिया। खचाखच भरे पंडाल में पैर रखने की जगह नहीं थी। महोत्सव में कला, शिल्प,संस्कृति, व्यापार, मनोरंजन और परंपराओं का संगम होगा। इस दौरान देश दुनिया के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रतिभा का परिचल देंगे।

गॉड टैलेंट के आयोजन से स्थानीय प्रतिभा को निखरने का मिलेगा मौका मिलेगा

विजयराघवगढ़ महोत्सव के बारे में बताते हुए विधायक संजय पाठक ने कहा कि विजयराघवगढ़ की अपनी लोक संस्कृति, परंपरा और लोक संस्कारों, मनोरंजन कार्यक्रमों में सहभागिता का अपना इतिहास रहा है इसी परंपरा को एक अलग आयाम देने के लिए लगभग 50 एकड़ के एरिया में इस वर्ष से विजयराघवगढ़ महोत्सव मेले का वृहद आयोजन किया जा रहा । मेले के दौरान देश विदेश में लोकप्रिय कलाकारों के द्वारा विविध प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही, देश की प्रसिद्ध रामलीला का मंचन होगा। मेले में आकर्षक एवं मनोरंजक झूले लगाये जा रहे हैं मेले के दौरान पूरे एक माह तक नृत्य,संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन, स्थानीय प्रतिभागियों की स्टैंड-अप प्रतियोगिता, शॉपिंग, खान-पान, मीना बाजार, हथकरघा उत्पादों के स्टाल, व्यापार और परंपराओं का संगम के साथ लेज़र शो का भी आयोजन होगा जो मेले में आने वाले लोगों के जीवन में नई उमंग और उत्साह भरेगा यह मेला महोत्सव 15 जून तक आयोजित होगा। इस दौरान महोत्सव समिति की तरफ से क्षेत्र की सांस्कृतिक विधाओं को बढ़ावा देने के लिए विजयराघवगढ़ गोट टैलेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें गायन, नृत्य, नाटक के आयोजनों में प्रतिभागी एकल एवं सामूहिक श्रेणी में भाग ले सकते हैं। यह सांस्कृतिक आयोजन मेला परिसर में 25 मई से 27 मई के बीच आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान आडिशन, सेमीफाइनल, फायनल के माध्यम से आने वाले विजेताओं को को 51 सौ से 25 हजार तक के पुरूस्कार प्रदान किए जाएंगे । यह आयोजन क्षेत्रीय प्रतिभा के निखार का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा । इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के प्रतिभाशाली कलाकारों की खोज कर और उनको विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करते हुए मंच में प्रदर्शन करने एवं आंतरिक कला का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

प्रसिद्ध हास्य कलाकार एहसान कुरेशी व उनकी टीम आएगी

महोत्सव में के दौरान अलग अलग दिनांक पर प्रसिद्ध हास्य कलाकार एहसान कुरेशी व उनकी टीम,धार्मिक गीत गायक मनीष अग्रवाल,शाहनाज अख्तर, संजो बघेल, तृप्ति शाक्या सहित लोक गायक जित्तू खरे बादल एवं अन्य कलाकारों प्रस्तुति होगी ।

जायंटस ग्रुप ऑफ कटनी सहेली ने आंगनबाड़ी में दी सामग्रियां

कटनी, यशभारत। जायंटस ग्रुप ऑफ कटनी सहेली द्वारा आंगनबाड़ी क्रमांक 196 में गर्भवती महिलाओं के चेकअप् हेतु की वजन मशीन व बच्चों के लिये चिप्स टाफी बिस्किट नमकीन शापनर पेंसिल फरूटी दी गई । अंगनबाड़ी क्रमांक 196 में मिलकर मातृत्व दिवस व स्वास्थ्य दिवस अन्नप्राशन मनाया गया। इसमें दीपिका शर्मा, प्रिया श्रीवास्तव, बानी गट्टानी, वंदना गट्टानी, अंजना निषाद, सुषमा गोस्वामी, रिचा सक्सारिया, नीलम जगवानी, नीलम अरोरा, आरती मिश्रा, रिलि गुप्ता, किम्पल पटेल, गीता मलिक, दीपाली गुप्ता व सभी सहेलियों का सहयोग रहा।

नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं में अब सीमांकन भी शामिल

कटनी,यशभारत। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के दस मई से प्रारम्भ हुये दूसरे चरण में नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं में 68 वीं सेवा के रूप में सीमांकन की सेवा को भी शामिल कर लिया गया है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने जिले में पदस्थ सभी राजस्व अधिकारियों को अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लगाये जा रहे शिविरों में नागरिकों से सीमांकन के प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों की भी पोर्टल पर एंट्री करने तथा अभियान अवधि के दौरान उनका निराकरण करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के दूसरे चरण में नागरिकों को 15 शासकीय विभागों की सेवायें प्रदान करने के लिये जिले में आयोजित किये जा रहे शिविरों में बी-1 के वाचन को अनिवार्य किया गया है। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत स्तर पर लगाये जा रहे शिविरों में बी-1 के वाचन के लिये दिन तय कर दिये गये हैं । शिविरों में बी-1 का वाचन करने पटवारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कार्यालय-संपदा अधिकारी,
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संभाग-कटनी
योजना- 32 एसआरपी एण्ड 14 आरपी प्लॉट शांति नगर
आम-सूचना

हाउसिंग बोर्ड कटनी की शांति नगर कालोनी में 32 एसआरपी एण्ड 14 आरपी प्लॉट शांति नगर कटनी योजनांतर्गत आरपी भूखण्ड क्र. 48 मण्डल द्वारा **श्री विनय कुमार कोहली** के नाम से आवंटित है, उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से 09.04.1975 को पंजीकृत है। श्री विनय कुमार कोहली से उक्त संपत्ति श्री सिद्धार्थ कोहली ने क्रय कर विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 06.04.2023 को अपने पक्ष में करा लिया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुये उक्त संपत्ति श्री सिद्धार्थ कोहली के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेज के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग, कटनी

यश भारत
नये जमाने के साथ..

सिटी न्यूज

कटनी, बुधवार, 17 मई 2023

आप तक आपका प्रिय अखबार यश भारत
नहीं पहुंच रहा हो तो हमें शीघ्र सूचित करें
फोन- 230033, मो. 9425362893, 8839684296
कार्यालय:- कचहरी चौक, कटनी

फर्म की बजाय स्वास्थ्य विभाग कर्मियों के नाम पर कट रहे चैक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रीठी में शासकीय राशि के दुरूपयोग का मामला

कटनी/रीठी, यशभारत। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रीठी के अंतर्गत व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायतों को लेकर लगाए गए सूचना के अधिकार आवेदन की जानकारी नहीं देने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक यहां हितग्राही एवं फर्म के नाम पर चैक न काटकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के नाम से चैक काटे जाने की शिकायतें सामने आई हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं की कई ऐसी शिकायतें हैं, जिसके सामनेम आने से स्वास्थ्य विभाग में चल रही गड़बड़ियों का पर्दाफाश होता। संभवतः यही कारण है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रीठी के अधिकारियों द्वारा सूचना के अधिकार की जानकारी नहीं दी जा रही है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा आम आदमी को विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम बनाया गया है लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रीठी में पदस्थ लोक सूचना अधिकारी बवीता सिंह द्वारा सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी देने से मना कर दिया गया है। जानकारी नहीं देने के पीछे जो तर्क दिया जा रहा है, वह समझ से परे है। आरटीई आवेदन के जबाव में कहा गया है कि लोकहित में मांगी गई जानकारी अनुचित है, इसलिए जानकारी नहीं दी जा सकती। इस पूरे मामले में आरटीआई एक्टिविस्ट बिलहरी निवासी विनोद शंकर शर्मा का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रीठी, बिलहरी, बड़गांव, घुघरा में विगत कुछ महीनों से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा गड़बड़ घोटाला किया जा रहा है। इसकी जानकारी सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई थी, लेकिन रीठी सीएचसी लोक सूचना अधिकारी डॉ बबीता सिंह द्वारा जानकारी देने से मना कर दिया गया, जिससे व्यथित होकर उसने लाखों रुपये भ्रष्टाचार किये जाने के आरोप लगाते हुए प्रथम अपीलीय अधिकारी से जानकारी लेने अपील की बात कही है। सूचना के अधिकार के तहत अनावश्यक बरगलाया जा रहा है। बताया जाता है कि सूचना के अधिकार के तहत जानकारी न देकर रीठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में आप सहज ही अंदाजा लगाया सकते है। मिली जानकारी के मुताबिक यहां पर हितग्राही एवं फर्म के नाम पर चेक न काटकर स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य कर्मियों के नाम से चेक काटे जाने की जानकारी है, साथ ही आवेदक द्वारा विभिन्न अन्य जानकारी मांगी गई थी जो नहीं दी गई है। अब देखना है कि इस मामले में प्रथम अपीलीय अधिकारी क्या निर्णय लेते हैं।

बीएमओ ने नहीं दी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत गई मांगी जानकारी

यह जानकारी मांगी गई थी आरटीआई के आवेदन में

सीएचसी रीठी, पीएचसी बड़गांव, बिलहरी, घुघरा में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति, आशा नियुक्ति के आवेदकों के पंचायत प्रस्ताव,, समस्त दस्तावेजों तथा नियुक्त की गई आशा कार्यकर्ताओं के नियुक्ति आदेश की प्रमाणित प्रति, रीठी सीएचसी में अनुबंधित वाहनों की जानकारी, एमडीआर की सम्पूर्ण जानकारी, पंजीयन से लेकर समीक्षा एवं कार्यवाही की प्रमाणित प्रति, रोगी कल्याण समिति का आय-व्यय का लेखा-जोखा, बिल वाउचर, केश रिपोर्ट एवं समस्त दस्तावेजों की जानकारी, अभी तक आयोजित किए गए राष्ट्रीय कार्यक्रम की जानकारी, प्राप्त बजट, आय-व्यय के समस्त दस्तावेजों की प्रति, सीएचसी रीठी, पीएचसी बड़गांव, बिलहरी घुघरा में काटी गई ओपीडी पर्ची से कितनी राशि प्राप्त हुई, सीएचसी रीठी में पदस्थ मलेरिया इंस्पेक्टर की विगत 5 वर्षों की रोजाना भ्रमण डायरी, पीएचसी बिलहरी में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बनाये गये नवनिर्मित आवास की संपूर्ण जानकारी, सीएचसी रीठी तथा उसके अंतर्गत समस्त प्रसव केन्द्रों में भोजन की व्यवस्था एवं भोजन-पोषण आहार सामग्री के 5 वर्षों का लेखा जोखा, बिल बाउचर तथा केश बुक एवं भोजन बनाने वाले कर्मचारियों को भुगतान सहित अन्य जानकारी शामिल है।

फर्जी मस्टर जारी कर बिना काम कराए हड़पी राशि

कटनी, यशभारत। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सगौना में फर्जी मस्टर जारी कर बगैर काम कराए खेत तालाब के नाम पर जिम्मेदारों द्वारा हजारों रुपए की राशि के गबन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत कलेक्टर अवि प्रसाद से करते हुए जांच कराकर दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की है। इस मामले की शिकायत करने वाले रजनीकांत ने कलेक्टर से शिकायत कर बताया कि उसके खेत में खेत तालाब निर्माण कार्य के नाम पर फर्जी मस्टर जारी किए गए। खेत में कोई भी काम नहीं कराया गया। जिन मजदूरों के नाम पर फर्जी हाजिरी भरी गई, उन्होंने खेत में काम ही नहीं किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक द्वारा फर्जीवाड़ा करते हुए विगत 9 अप्रैल को जारी अलग-अलग मस्टर संख्या 13 व 14 में क्रमशः 12 हजार और 10 हजार 800 रुपये यानि कुल 22 हजार 800 रुपए की राशि निकाली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव द्वारा योजनाओं की राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। जिम्मेदार फर्जी मजदूर तैयार कर उनके खातों में राशि डालते हैं, फिर उन्हें कमीशन देकर वापस लेते हैं। किसान रजनीकांत के खेत में काम कराने के लिए पंचायत के जिम्मेदारों ने कुछ चहेते फर्जी मजदूर बना लिए हैं। खेत तालाब के नाम पर 22 हजार 800 रुपए की राशि डकार ली। यह राशि सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक ने उपयंत्री की मिलीभगत से इनके खाते में डाली और बदले में 75 प्रतिशत कमीशन भी लिया। इन लोगों को अपने खाते से राशि निकालकर वापस करने के लिए मात्र 25 प्रतिशत राशि ही मिलती है।

ढीमरखेड़ा जनपद की ग्राम पंचायत सगौना का मामला, ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग

संबल योजना का लाभ पाने महीनों से भटक रही महिला

कटनी, यशभारत। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बरही निवासी रोशनी पटेल के पति अजय लोधी की मृत्यु एक वर्ष पूर्व हो गई थी। संबल योजना की पात्रता होने के बाद महिला ने सारी औपचारिकताएं पूर्ण करके आवेदन जनपद कार्यालय पहुंचाया, लेकिन सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। योजना के मुताबिक अंत्येष्टि सहायता की राशि तत्काल परिवार को उपलब्ध कराने का नियम है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत के द्वारा तत्काल राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। करीब 4 माह के बाद 5 हजार महिला को दिए गए। मामले को लेकर विधवा महिला लगातार कार्यालय के चक्कर काट रही है। मंगलवार की दोपहर पीड़ित महिला ने अपनी आपबीती को जनपद पंचायत के सीईओ विनोद पांडे को बताईए जिस पर जनपद सीईओ ने जल्द से जल्द समस्या निराकरण कराने का आश्वासन दिया।

पश्चिम मध्य रेल

राष्ट्रीय स्तर पर पेंशन अदालत–2023
मुख्यालय की पेंशन अदालत–2023

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार पश्चिम मध्य रेल पर दिनांक 17.05.2023 को पेंशन अदालत 11 बजे (पूर्वान्ह) किया जा रहा है। अतः पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय जबलपुर से सेवानिवृत हुए कर्मचारियों/अधिकारियों अथवा निधन प्रकरणों में उनके आश्रितों को देय राशियों के भुगतान, यदि शेष हो तो ऐसे आवेदक अपना आवेदन तीन प्रतियों में संपूर्ण विवरण एवं समस्त संबंधित दस्तावेजों की प्रतियों के साथ दिनांक 16.05.2023(18:00बजे) तक संबंधित कार्यालय को ईमेल अथवा Whatsapp के माध्यम से भेज सकते है। पारिवारिक पेंशन के दावे इसमें शामिल नहीं किये जायेंगे तथा जो प्रकरण पूर्व के पेंशन अदालत में निर्णित हो चुके है उन्हे भी इस पेंशन अदालत में शामिल नहीं किया जायेगा। 1. मुख्यालय के जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों/अधिकारियों या उनके परिवार के सदस्यों ने अपना आवेदन इस पेंशन अदालत हेतु प्रस्तुत किया है वे कृपया 17 मई 2023 दिन बुधवार समय 11:00 (पूर्वान्ह) को आयोजित होने वाली पेंशन अदालत में कार्मिक विभाग, मुख्यालय में उपस्थित होवें। 2. मुख्यालय के जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों/ अधिकारियों या उनके परिवार के सदस्यों ने अपना आवेदन इस पेंशन अदालत हेतु प्रस्तुत किया है वे कृपया 17 मई 2023 दिन बुधवार समय 11:00 (पूर्वान्ह) को आयोजित होने वाली पेंशन अदालत में कार्मिक विभाग, मुख्यालय में उपस्थित होवें। 3. मण्डलों व कारखानों के सेवानिवृत्त कर्मचारी संबंधित इकाईयों में उपस्थित होवे। विवरण इस प्रकार है।

Unit	e-mail ID / Whatsapp No.	Address
मुख्यालय	sectionsettlement661@gmail.com / 9131560080	प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी महाप्रबंधक कार्यालय जबलपुर प.म.रे.
जबलपुर मंडल	chossettjbp@gmail.com / 9752418604	मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक) जबलपुर
भोपाल मंडल	cswiwcrbpl@gmail.com / 9752416621	मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक) भोपाल
भोपाल कारखाना	spobpl@gmail.com /9893616975	सहा.का. अधिकारी सडिपुका निशातपुरा, भोपाल
कोटा मंडल	srdpoktt@gmail.com / 9752435233	मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक) कोटा
कोटा कारखाना	spowrskota@gmail.com / 9001017460	सहा.का. अधिकारी मडि म.का. कोटा

विशेषः अनुकम्पा नियुक्ति, कोर्ट केस एवं नियमों के बदलने से संबंधित प्रकरणों को इस अदालत में शामिल नहीं किया जायेगा। महाप्रबंधक कार्यालय, कार्मिक विभाग, पमरे, जबलपुर

कोरोना को है हराना, तो टीकाकरण जरूर कराना

बहोरीबंद तहसील में 797 दावे–आपत्तियों की हो रही जांच

कटनी, यशभारत। लाड़ली बहना योजना के लिए बहोरीबंद विकासखंड में योजना के तहत 40 हजार 235 महिलाओं के आवेदन जमा हुए हैं। बहोरीबंद जनपद जिले की प्रथम जनपद लाड़ली बहना योजना के पंजीयन में बनी है, जिसमे दावे-आपत्ति की अंतिम तिथि 15 मई तक 797 दावे आपत्ति आए हैं। इन सभी के निराकरण को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। 16 मई से दावे आपत्तियों की जांच शुरू हो गई है और 31 मई तक सभी दावे-आपत्तियों को निराकृत किया जाएगा। निराकरण के लिए विकासखंड स्तर पर समिति बनाई गई है। निराकरण के बाद सभी पात्र महिलाओं के खाते में 10 जून को राशि जमा कराई जाएगी। लाड़ली बहना योजना के काम को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जिसमें प्रमुख रूप से ग्राम पंचायतों के बाहर अनंतिम सूचियां चस्पा कराने कहा गया है।

गीत–गजल की महफिल ने बांधा शमा

काव्य गोष्ठी में ख्यातिब्ध कवियित्री सरिता सिंह कोहिनूर ने सुनाए एक से बढ़कर एक नज्म

कटनी, यशभारत। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद स्मारक में विगत दिवस एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे ख्यातिब्ध कवियित्री सरिता सिंह कोहिनूर ने एक से बढ़कर देश भक्ति आधारित कविताओं एवं गजलें सुनाकर लोगों का मन मोह लिया। संस्था गुलिस्तान ए तहजीब सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। कटनी साहित्य जगत से जुड़े मारूफ अहमद हनफी, डॉ राजेश श्रीवास्तव प्रखर, शरद जायसवाल, चंदकिशोर चंदन, डॉ नाज, प्रमोद भट्ट, निलांचल, ईश्वर प्रसाद पुरवार, आशीष गुप्ता, लक्ष्मी रजक, हेमलता अहिरवार ने सुंदर-सुंदर गीतों को गाकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। काव्य गोष्ठी का संचालन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के सचिव अरविंद गुप्ता द्वारा किया गया। शहर के गणमान्य नागरिकों में डॉ सुशील खंपरिया, अकरम खान, प्रकाश जैन, मुकुंद गुप्ता, दीपा विश्वकर्मा, ठाकुर वंश गोपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, नितेश पटेल, मुकेश विश्वकर्मा, संजय सिंघई, श्रीमती मीनू सिंघई, मदन जैन, लक्ष्मी रजक, अनिल ताम्रकार, संदीप पुरवार, डॉ समीर सिंघई, डॉ. स्नेहा चौधरी, मीनू सिंह, ऋषभ जैन, हेमा अहिरवार, हीरा विश्वकर्मा, नईम शेख, इकबाल अनवर, यारिक खान आदि की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन बाबू इरफान अहमदन ने किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग वि/यां संभाग जबलपुर

Web site:-www.mp.gov.in/pwdmp Email:- eepwdelecjbp@mp.nic in Tel./Fax No. 0761-2620792

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 05/2023-24 व.ले.लि. जबलपुर, दिनाक 10/05/2023

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित विद्युत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू. मे)	अमानत की राशि (रू. मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. मे)	कार्य पूर्ण करने का समय	1. ठेकेदार की श्रेणी 2. निविदा काल
1	2	3	4	5	6	6	7
1	2023_PWDRB _273882_1	कटनी जिले के कटनी हेडक्वाटर सेक्शन के अंतर्गत विद्युतीकरण का जोनल कार्य	Rs.15.00 Lakh	30,000/-	2000/-	Up to 31/03/2024	1. नवीन पंजीकरण एवं ब श्रेणी विद्युत लाइसेंस हेतु, 2. द्वितीय काल।
2	2023_PWDRB _273887_1	जबलपुर जिले के सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में स्थापित STP/ETP/WTP Water Sortnter Plant के वार्षिक मरम्मत एवं संचालन का कार्य।(दो वर्ष हेतु)	Rs.56.80 Lakh	56,800/-	2000/-	2 Year	1. नवीन पंजीकरण एवं ब श्रेणी विद्युत लाइसेंस हेतु, 2. प्रथम काल।
3	2023_PWDRB _275517_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु इनोवा वाहन अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) मण्डल जबलपुर हेतु।(2 वर्ष के लिये)(नोट :- 2000 कि.मी. से अधिक चलने पर 6 रु. प्रति किमी. की दर से अतिरिक्त दिया जायेगा।	Rs.7.20 Lakh	14400/-	2000/-	2 Year	1. द्वितीय काल।
4	2023_PWDRB _275549_1	जबलपुर जिले के एम.एम.वी. सेक्शन के अंतर्गत जजेस बंगलों एवं वी.आई.पी. बंगलों में विद्युतीकरण एवं मरम्मत का कार्य	Rs.19.91 Lakh	39,820/-	2000/-	Up to 31/03/2023	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लाइसेंस हेतु, 2. प्रथम काल।
5	2023_PWDRB _275585_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु बोलेरो वाहन अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग भ/स उपसंभाग पाटन हेतु।(15 दिन 1 वर्ष के लिये)	Rs.1.20 Lakh	2400/-	1000/-	1 Year	1. प्रथम काल।
6	2023_PWDRB _275588_1	जबलपुर जिले के मेडिकल सेक्शन के अंतर्गत विद्युतीकरण का जोनल कार्य	Rs.19.91 Lakh	39,820/-	2000/-	Up to 31/03/2023	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लाइसेंस हेतु, 2. प्रथम काल।
7	2023_PWDRB _275590_1	जबलपुर जिले के हेडक्वाटर सेक्शन के अंतर्गत विद्युतीकरण का जोनल कार्य	Rs.14.50 Lakh	29000/-	2000/-	Up to 31/03/2023	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लाइसेंस हेतु, 2. प्रथम काल।

उपरोक्त वेबसाइट आर्नेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 22/04/2023, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग वि./यां.
संभाग जबलपुर

G-12980/23 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

वानी सोनोग्राफी एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर
सही रिपोर्ट एवं जांच के लिए
डॉ. अखिलेश गुप्ता
(MBBS, DMRD)
पता– श्रीराम हास्पिटल के पास, पंडा कम्पाउंड के बगल में आदर्श कालोनी, कटनी (म.प्र.)
फोन- 07622-357721

किराए से देना है
एक रूम 12 बाय 15 अटैच 3000/- प्रति व्यक्ति, एक हॉल 22 बाय 50 कार्यालय, दुकान एवं गोदाम के किराए से देना है।
संपर्क-8109417340

न्यायालय अपर कलेक्टर/विशेष विवाह अधिकारी जिला कटनी म.प्र.

क्रमांक /50/प्रवा.वि.अधि. /2023 कटनी, दिनांक - 15/05/2023

द्वितीय अनुसूची (धारा 5 देखिये)

विवाह रजिस्ट्रेशन की सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेश्वर यादव पिता श्री जगदीश कुमार यादव (अविवाहित) निवासी इंद्रानगर कृषि उपज मंडी कुठला कटनी (म.प्र.) पिन कोड- 483501 एवं आवेदिका प्रतिभा सिंह ठाकुर पिता श्री उमराव सिंह ठाकुर साकिन ग्राम बाई के पास बाल गंगाधर वार्ड नं. 1 इंदिरा नगर मुड़वारा तहसील व जिला कटनी (म.प्र.) पिनकोड 483501 द्वारा विवाह रजिस्ट्रेशन किये जाने बावत आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, एवं विवाह रजिस्ट्रेशन शुल्क 50/- रूपए चालान क्रमांक 051/ 9999999/ 0070/05/ 23/011268 दिनांक 10/05/2023 को ऑनलाईन में जमा कर चालान की मूल प्रति एवं मतदाता परिचय पत्र, अंक सूची सहित समक्ष में उपस्थित होकर विवाह रजिस्ट्रेशन किये जाने का आवेदन पत्र पेश किया है। जो न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त आवेदन पर आवेदक / आवेदिका का विवाह रजिस्ट्रेशन विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-4 के तहत विवाह अनुष्ठापन होना आशियत है, यदि इस विवाह रजिस्ट्रेशन में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति /एतराज/दावा हो तो इश्तहार जारी दिनांक से 30 दिवस के भीतर अथवा पेशी दिनांक 26/06/2023 को पूर्वान्ह तक स्वयं या अपने अभिभाषक/प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17/05/2023 को इस न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

आगामी तिथि - 26/06/2023

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला-कटनी (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग,(भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)

E-mail- eepwdkatni@mp.nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/व.ले.लि./2023–24/ कटनी, दिनांक 10/05/2023

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अन्तर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.12.2020 एवं समस्त संशोधन सहित (भवन) तथा दिनांक 15.09.2022 एवं दिनांक 25.03.2022 (सड़क) कार्य हेतु निविदायें आनलाईन Appendix 2.10 निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदायें सम्बन्धित कार्यालय में टेण्डर टाईम शैडयूल के अनुसार खोली जावेगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. कमांक	जिला	एस.ओ.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आगंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रू.लाख में)	कार्य की अमानत राशि प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने की संभावित तिथी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2023_PWDRB _275254_1	कटनी	25.03.22	सड़क कार्य	मोहला हरदुआ उमरियापान मार्ग के कि. मी. 10/6, 11,12,13 कुल लंबाई 3.60 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य	द्वितीय	34.73	50000.00	5000.00	02 माह वर्षा ऋतु रहित
					योग		34.73			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रूपये 34.73 लाख (चौंतीस लाख तेहत्तर हजार मात्र)

उपरोक्त वेवसाईट में आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र कय करने तथा आनलाइन बिड सबगिशन की अंतिग तिथि 20.05.2023 सांय 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग(भ/स) संभाग कटनी

G-12956/23

सिटी मॉल बरही रोड में
शानदार तीसरे सप्ताह की ओर

05 मई से रोजाना 4 शो
12.30 PM (AUDI-2)
03.30 PM (AUDI-2)
06.30 PM (AUDI-2)
09.30 PM (AUDI-2)

PRICE LABLE
RECLINER....300
GOLD.....200
Silver.....150

द केरला स्टोरी

कलाकार- अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सोनिया बालानी आदि।

Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज

18 मई से रोजाना 4 शो
01.00 PM-2D (AUDI-1)
0 4.00 PM-2D (AUDI-1)
07.00 PM-2D (AUDI-1)
10.00 PM-2D (AUDI-1)

FAST-X (HINDI 2D)

Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

आरक्षण व्यवस्था खत्म होनी चाहिए। सभी जातियों को बराबर दर्जा दिया जाना चाहिए क्योंकि जनरल कैटेगरी में भी काफी गरीब हैं। आरक्षण जाति के आधार पर नहीं बल्कि प्रतिभा और योग्यता क आधार पर मिलना चाहिए। धर्म और जाति रहित समाज का जो सपना था, वह सपना बनकर ही रह गया और यह सब सिर्फ आरक्षण के कारण हुआ है।
-मुनिश्री तरुण सागर

संपादकीय

सुलगते मणिपुर में अतिरिक्त सावधानी की जरूरत

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की आग भड़क उठी है। शनिवार की रात भी विष्णुपुर और चुराचांदपुर इलाके में लगभग आधा दर्जन घर जला दिए गए। हालांकि इन घटनाओं में किसी की मौत की जानकारी नहीं है। तोरवंग इलाके में आधी रात कुछ उपद्रवियों ने घरों में आग लगा दी। इससे एक बात फिर से साफ हो गया है कि पूर्वोत्तर बेहद ही संवेदनशील इलाका है। ऐसे में यहां हिंसा से निपटने के लिए अतिरिक्त सावधानी की जरूरत है। हिंसा की ताजा घटनाओं को मणिपुर हाईकोर्ट के उस हालिया फैसले के बाद बने हालात से जोड़ा जा रहा है, जिसमें राज्य सरकार को बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लिए एसटी दर्जे की सिफारिश केंद्र के पास भेजने का निर्देश दिया गया था। इसी निर्देश के खिलाफ ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर (ञ्जस्रू) ने आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया था, जिस दौरान हिंसा भड़क उठी। हालांकि, चाहे हाईकोर्ट का निर्देश हो या आदिवासी छात्रों का मोर्चा, इनकी तात्कालिक भूमिका भले हिंसा भड़कने में रही हो, प्रदेश में जातीय तनाव के हालात लंबे समय से बने रहे हैं। गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय हालांकि राज्य की कुल आबादी का करीब 65 फीसदी है, लेकिन यह इंफाल के आसपास घाटी में ही केंद्रित है। क्षेत्रफल के लिहाज से इस समुदाय के पास राज्य का बमुश्किल 10 फीसदी भूभाग ही है। बाकी 90 फीसदी इलाकों में 35 फीसदी आदिवासी समुदायों के लोग फैले हुए हैं। ऐसे में जहां मैतेई समुदाय अपने लिए एसटी दर्जा जरूरी मानता है, वहीं आदिवासी समुदायों को लगता है कि उसे यह दर्जा मिल गया तो उनके अधिकार प्रभावित होंगे।तनाव बढ़ाने वाला एक अन्य नया कारक हैं म्यांमार से आने वाले शरणार्थी। फरवरी 2021 में वहां हुए सैन्य तख्तापलट के बाद इन शरणार्थियों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। खास बात यह कि ये शरणार्थी ज्यादातर म्यांमार के चिन प्रांत के होते हैं जिनकी मणिपुर के कुकी आदिवासियों से रिश्तेदारी होती है। इससे प्रदेश का जातीय संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्रदेश में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के क्रम में दो बातों का खास तौर पर ध्यान रखने की जरूरत है। एक तो यह कि पड़ोसी देश म्यांमार में बनते हालात का मणिपुर जैसे राज्यों की स्थितियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए सरकार को म्यांमार के सैन्य शासन से बातचीत कर उसे गृहयुद्ध रोकने और अपनी शरणार्थी प्रबंधन व्यवस्था कायम करने के लिए मनाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान देना होगा।दूसरी बात यह कि दंगाइयों को देखते ही गोली मारने और पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवा स्थगित करने जैसे कदम तात्कालिक तौर पर अनिवार्य भले लगें, नॉर्थ ईस्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए वहां ऐसी सख्ती दीर्घकालिक नजरिए से नुकसानदायक हो सकती है। उस क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं का फायदा लिए जाने के लिए जरूरी है कि वहां सामान्य स्थिति बहाल रखी जाए।

आखिर क्यों बरकरार रहा यूपी निकाय चुनावों में योगी का मैजिक

आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले हरेक विधनासभा और नगर निगम चुनावों पर सारे देश की निगाहें रहने वाली हैं। इस परिप्रेक्ष्य में कर्नाटक विधानसभा और यूपी नगर निकाय चुनावों के नतीजों को देखना होगा। कर्नाटक में बीजेपी को निराशा हाथ लगी लेकिन यूपी निकाय चुनाव परिणामों ने पार्टी को जश्न मनाने का पूरा मौका दिया है। अभी देश में सिर्फ़ और सिर्फ़ कर्नाटक चुनावों की ही चर्चा हो रही है ।जबकि , यूपी नगर चुनाव में कर्नाटक में जितने मतदाताओं ने भाग लिया उससे कहीं ज़्यादा मतदाताओं ने यू 0 पी0 के चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग किया ।अत: मैं तो आज यू 0 पी0 निकाय चुनावों की ही चर्चा करूँगा ।

भारतीय जनता पार्टी ने यू 0 पी 0 में अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगमों में अपना परचम लहराया है।नगर निगमों के अतिरिक्त भी सभी अन्य निकायों में भाजपा का प्रदर्शन अत्यंत ही प्रभावशाली रहा है ।सपा , कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ़ हो गया , ऐसा कहैं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ।

बेशक, इनचुनाव परिणामों से बीजेपी के कार्यकर्ताओं का तो हौंसला बढेगा ही, ताज्जुब नहीं की लोकसभा चुनाव प्रचार में योगी के 'यूपी मॉडल' की गूंज सुनाई दे ।

सर्वाधिक लोकसभा सीटों वाले प्रदेश यूपी के निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा था। चाहे सत्तारूढ़ बीजेपी और उसके सहयोगी दल हों, विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस हो। प्रत्येक राजनीतिक दल के लिए यह निकाय चुनाव चुनाव उतना ही मायने रखता था। सभी दल अपने-अपने हिसाब से जोर भी खूब लगा रहे थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए निकाय चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था। क्योंकि यह पहला चुनाव था, जो 'अकेले' योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी लड़ रही थी। योगी के ऊपर पूरे चुनाव का दारोमदार था। ऐसे में जीत का श्रेय भी योगी आदित्यनाथ को ही मिलना लाजमी है। यूपी नगर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगमों में अपना परचम लहराया है। 2017 के विधानसभा चुनावों से लेकर यूपी में हुए अब तक के हर चुनाव पर नजर डालें तो योगी की छवि कद्दावर नेता के तौर पर उभरती नजर आती है। 2017 में योगी आदित्यनाथ जब बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री बनाए गए तो उनकी अगुवाई में बीजेपी ने पहला चुनाव, नगर निकाय का ही ल?ा था। उस चुनाव में बीजेपी ने कुल 14 नगर निगमों में जीत हासिल की थी, यही नहीं 70 नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायतों में 100 सीटों पर जीत के साथ ब?िया प्रदर्शन किया था। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इस परिणाम के बाद योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम की प्रशंसा की थी लेकिन चुनावी पंडितों ने जीत की वजह 'मोदी मैजिक' को ही बताया था। इसके पांच साल बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दोबारा यूपी की सत्ता हासिल की। इस प्रचंड जीत से योगी की बेहतर प्रशासक की छवि पुष्ट हुई । लेकिन राजनीतिक पंडित अभी भी इस सवाल से जूझ रहे थे कि क्या योगी अकेले पार्टी की चुनावी नैया पार लगा सकते हैं? कर्नाटक विधानसभा और यूपी निकाय चुनाव एक साथ हुए। चुनाव के दौरान बीजेपी की पूरी केंद्रीय टीम ने कर्नाटक में ताकत झोंक रखी थी। योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव में अकेले ही मोर्चे पर डटे रहे। वह अपने मंत्रियों, विधायकों के साथ राज्य बीजेपी टीम की अगुवाई कर रहे थे। निकाय चुनाव की योगी के लिए क्या अहमियत थी इसका अंदाजा चुनावी रैलियों से लगाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने महज 13 दिन में 'संवाद का अर्धशतक' लगाया, 50 रैलियां की। सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमाम दूसरी पार्टियों की तुलना में योगी ने चुनाव प्रचार में कहीं ज्यादा पसीना बहाया। हर दिन वो अलग अलग जिलों के दौरे पर रहे। इतना ही नहीं निकाय चुनाव के बीच में 3 दिन कर्नाटक में भी चुनाव प्रचार किया ।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक चुनावी रैली में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता, यूपी में नए मेडिकल कॉलेज, हाईवे समेत इंफ्रास्ट्रक्चर एवं चौतरफा विकास पर खूब बोला ।लेकिन , सबसे ज्यादा जोर अपराधियों के खिलाफ एक्शन पर दिया। पूरे चुनाव में 'माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे' वाला बयान सर्वाधिक चर्चा में रहा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद यूपी सरकार का बुलडोजर एक्शन से लेकर शूटर्स का एनकाउंटर हो या माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की पुलिस कस्टडी में हत्या।बीजेपी हाल के इन घटनाक्रमों को इस तरह से पेश किया जैसे योगी सरकार में ही यह संभव था। अतीक-अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बिना कहा भी था कि यहां की धरती अत्याचार बर्दाश्त नहीं करती। प्रकृति न्याय जरूर करती है। जो जैसा करेगा, उसको वैसा ही फल मिलता है। जिन लोगों ने अन्याय किया था प्रकृति ने उनके साथ न्याय कर दिया। इसी निकाय चुनाव के दौरान पश्चिम उत्तर प्रदेश में यूपी एसटीएफ ने दुर्दांत गैंगस्टर अनिल दुजाना को एनकाउंटर में मार गिराया, जिसकी खूब चर्चा हुई। अपनी रैलियों में योगी ने च्नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा।ज्ज और च्रंगदारी न फिरौती, अब यूपी नहीं है किसी की बपौती , जैसे लोकप्रिय नारे गढे। योगी आदित्यनाथ ने तो नगर निकाय चुनावों को देवासुर संग्राम तक कह डाला था। सहारनपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह चुनाव देवासुर संग्राम से कम नहीं है। चुनाव में दानव के रूप में भ्रष्टाचारी हैं, दुराचारी हैं और अपराधी प्रवृत्ति के लोग हैं। जनता की मदद से निकाय चुनाव में ऐसी ताकतों को किनारे लगा देना है। सहारनपुर में बसपा उम्मीदवार इमरान मसूद चुनाव को हिंदू-मुसलमान में बांटने की कोशिश करते रहे। पर वे नाकाम रहे। वे हारे, बीजेपी जीती।योगी सरकार एक तरफ चौतरफा विकास पर ध्यान दे रही है तो वहीं दूसरी तरफ कानून व्यवस्था की बेहतरी पर प्राथमिकता से ध्यान दे रही है। दुर्दांत माफियाओं पर नकेल कसने के साथ सतत पुलिस सुधारों की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। इसके सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगे है। कानून व्यवस्था की स्थिति सुधरने की वजह से निवेश बढा है। कभी बीमारू राज्यों में गिना जाने वाला यूपी आज न केवल घरेलू बल्कि विदेशी निवेशकों को भी आकर्षित कर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में मुकेश अंबानी, कुमार मंगलम बिडला, टाटा समूह के एन चंद्रशेखर से लेकर ज्यूरिख एयरपोर्ट एशिया के सीईओ डेनियल बिचर समेत उद्योगजगत के दिग्गजों की उपस्थिति इसका प्रमाण था। कुल 33 लाख करोड रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

बीजेपी को पता है कि यूपी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। मैं मानता हूं कि जनता विकास और तरक्की चाहती है, न कि जातपात का जहर। माफियाओं से पूरा यूपी मुक्ति चाहता है। इसलिए कुछ राजनीतिक दल भले ही बुलडोजर कार्रवाई की निंदा करें लेकिन योगी अपने पथ पर अडिग चले जा रहे हैं।

आर.के. सिन्हा

न्यायसंगत प्रतिनिधित्व से ही महिला सशक्तीकरण

पिछले कुछ वर्षों से महिला सशक्तीकरण और समान अधिकारों की खूब चर्चा हो रही है। इससे लगता है भारत में महिला पक्ष भी उतनी ही सफलता के साथ सामने आया है, जितना कि पुरुष वर्ग। पर क्या वास्तव में महिलाओं ने समाज में पुरुष वर्चस्व को चुनौती दे दी है? प्रतीत यही होता है अगर उनकी निरंतर सुधरती छवि को आधार बनाया जाये। न केवल शैक्षिक परिणामों में बल्कि नौकरी के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में भी महिलाएं अग्रणी हैं। सेना में उन्हें तरक्की के पूरे अधिकार देने का फैसला हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने किया है। यह आदेश भी हो गया कि सेना की अग्रिम युद्ध पंक्ति में लड़ने के लिए महिलाएं भी शामिल होंगी। वे महिलाएं हैं, केवल इसलिए उन्हें पीछे न रखा जाए। यूं भी भारत में नारी सशक्तीकरण व भागीदारी बढ़ाने को लेकर कई कदम उठाये जा रहे हैं।इसी दिशा में सरकार का नया फैसला है कि इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर परेड करते हुए प्रमुख तौर पर महिलाएं ही नजर आएंगी। रक्षा मंत्रालय ने एक ज्ञापन जारी किया है जिसमें सेना, नौसेना, वायुसेना और गृह मंत्रालय, आवास मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की एक बैठक में किये गये फैसले का जिक्र है जिसके मुताबिक 2024 के गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में शामिल मार्चिंग और बैंड टुकड़ियों, झांकियों और अन्य प्रदर्शनों में केवल महिला प्रतिभागी होंगी। इस फैसले से सशस्त्र बलों और सरकारी विभागों को अवगत करवा दिया गया है।इस साल भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विरासत का जो प्रदर्शन हुआ था, उसमें नारी शक्ति की खास तौर पर भागीदारी थी। बता दें कि पहली बार 2015 में तीनों सेनाओं में से एक-एक महिला टुकड़ी परेड में हिस्सा लेने आई थी। साल 2019 में कैप्टन सुरभि सेना की मोटरसाइकिल पर करतब दिखाने वाली पहली महिला अधिकारी थीं वहीं 2020 में कैप्टन तानिया शेरगिल पुरुष दल का नेतृत्व करने वाली महिला अधिकारी बनी थी। इस परेड को प्रत्यक्ष और टेलीविजन पर देखकर हजारों-लाखों लोग गर्वित होते हैं। अब जब महिलाओं को सुरक्षा बलों की टुकड़ियों और झांकियों की जिम्मेदारी दी जा रही है तो यह निश्चय ही बदलते भारत का प्रतीक है।फिलहाल रक्षा मंत्रालय ने 2024 की परेड की योजना पर तीनों सेनाओं, मंत्रालयों और विभागों को एक ज्ञापन भेजा है कि इस परेड में सिर्फ महिलाएं ही जागरूक भारत का प्रतिनिधित्व करें। इसकी शुरुआत तो गत फरवरी में रक्षा सचिव द्वारा आयोजित एक बैठक में हुई थी जहां यह सुझाव लगभग स्वीकार कर लिया गया था। अब स्पष्ट है कि इसे कार्यरूप दिया जाएगा। निश्चय ही यह इस देश की महिलाओं के लिए गर्व की बात है कि भारत की प्रगति में नयी पीढ़ी की महिलाओं के योगदान का प्रदर्शन महिला टुकड़ियां ही करेंगी।गौरतलब है कि महिलाओं की इस बेहतर होती छवि का प्रचार करने में सत्ता, प्रशासन या मीडिया आजकल किसी भी तरह पीछे नहीं रहते। लेकिन क्या वास्तव में भारत की नारी को वही स्थान मिल गया है जिसका प्रदर्शन आगामी गणतंत्र दिवस परेड में किया जाएगा। बेशक आंकड़े बताते हैं कि कामकाजी वर्ग में औरतों की संख्या बढ़ी है, उन्हें अब केवल घर की रानी कहकर बहलाया नहीं जा सकता। लेकिन कुछ सवाल बाकी हैं जिनका समाधान होना चाहिए। पहला तो यह कि सर्वेक्षणों के मुताबिक, कोविड महामारी के करीब दो वर्ष के विकट आर्थिक समय में जिन कामकाजी महिलाओं का विस्थापन हुआ, वे दोबारा नौकरी प्राप्त करने में बुरी तरह पिछड़ गयी। जिन पुरुषों ने नौकरी गंवाई थी, उनमें से कुछ को तो रोजगार मिल गया लेकिन महिलाओं के मामले में वह उत्साह नजर नहीं आया। , जब पार्टियां चुनाव में अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती हैं तो उनमें महिलाओं की संख्या नगण्य होती है। अगले वर्ष लोकसभा के लिए आम चुनाव होने जा रहे हैं लेकिन क्या महिला शक्ति की भूमिका बढ़ेगी? अभी तक तो राज्य स्तर के मंत्रिमंडलों से लेकर केन्द्र तक महिलाओं की संख्या नगण्य है। वैसे भी विधानसभाओं व संसद में बड़ी संख्या में सदस्यों की आपराधिक छवि की समस्या है। ऐसे में राजनीति में अगर महिलाओं को अधिक मौका दिया जाये तो वहां नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो सकती है।भारतीय समाज में पुरुष वर्चस्व के चलते महिलाओं को उनकी योग्यता के बावजूद वाजिब दर्जा व गरिमामय स्थान देने के लिए मानसिकता नहीं बन पायी। दरअसल उसकी बेहतर होती छवि का प्रचार के लिए इस्तेमाल ही न किया जाये बल्कि नारी के सहज गुणों सहनशक्ति और परिश्रम का भी इस्तेमाल देश के नवनिर्माण के लिए किया जाए। मानव तस्करी के मामले में ही लें, कई राज्यों में औरतों की गुमशुदगी के केस तेजी से बढ़े हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि केवल गुजरात में 5 साल के भीतर 40 हजार महिलाएं गायब हो गईं। मानवाधिकार आयोग गुजरात के सदस्य बताते हैं कि लापता के इन मामलों में महिलाओं को उठाकर अन्य राज्यों में भेजा जाता है जहां उन्हें काले धंधे में धकेला जाता है। पुलिस सिस्टम ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लेता बल्कि अनदेखी कर दी जाती है या इसकी जांच पुराने तरीकों से होती है। लेकिन अगर भारत जाग गया है। महिलाओं को यथोचित सम्मान दिया जा रहा है तो मानव तस्करी के तहत उनकी गुमशुदगी भी रुकनी चाहिये।बहरहाल, यह आवश्यक है कि महिलाओं को प्रगति करने के लिए पुरुषों के समान अवसर व प्रतिष्ठा प्रदान की जाये। केवल जुमलों में ही उन्हें सम्मान न दिया जाए बल्कि अवसरों के मामले में उन्हें हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष रखा जाए। उनके प्रति वर्तमान में भी जो पूर्वाग्रह नजर आता है, उसके मायने यही हैं कि देश में उनकी चमकती छवि तो प्रदर्शित हो रही है लेकिन कहीं न कहीं आम महिलाओं के जीवन की परिस्थितियां आज भी उतनी ही दुरुह हैं जितनी कि कुछ दशक पहले थीं।

लेखक साहित्यकार हैं। सुरेश सेठ

आपका राशिफल 18 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 6165

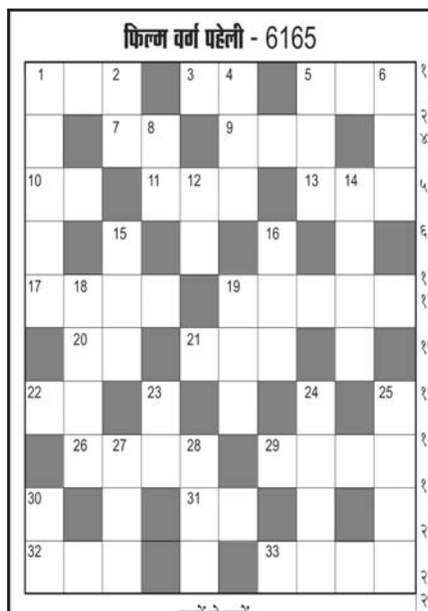

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अँखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बाँसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

फिल्म वर्ग पहेली - 6164

फा		द	ह	क		श	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	सं		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	श		क	मो		त	ब्बू	
जं		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		श
क	जं		म		जो	शी	ला		की
डी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6679

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6678 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

एक्सरसाइज से कम नहीं है डांस

डांस एक ऐसी कला है जो व्यक्ति का हुनर दर्शाने के अलावा स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद मानी जाती है। इसे करने के लिए हर कोई तन और मन दोनों तरह से शामिल हो जाता है। ऐसे में यह हर अंग को प्रभावित करती है। यह पूरे शरीर के लिए एक हैल्दी एक्सरसाइज मानी जाती है। यह कार्डियो एक्सरसाइज होती है जो दिमाग और बॉडी का कॉर्डिनेशन बढ़ाने में मदद करती है। इसके अलावा भी इससे सेहत को कई सारे फायदे होते हैं। डांस जिंदगी में कितना महत्वपूर्ण है और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 29 अप्रैल यानी की आज के दिन अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता है। तो चलिए इस मौके पर आपको बताते हैं डांस करने से होने वाले स्वास्थ्या लाभ...

बढ़ेगा शरीर का लचीलापन

डांस करने से शरीर का लचीलापन बढ़ता है। इससे मांसपेशियों और नसों में मजबूत आती है और शरीर का लचीलापन सुधरने लगता है। यदि आपका शरीर कमजोर है तो आप नियमित डांस करें इससे शरीर में मजबूती के साथ-साथ लचीलापन बढ़ने लगेगा।

दिल और फेफड़े रहते हैं हैल्दी

डांस करने से फेफड़े और दिल भी एकदम स्वस्थ रहते हैं। यह दिल की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में मदद करते हैं ऐसे में यह हार्ट हैल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद मानी जाती है। यह शरीर के ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाती है और शरीर की कई सारी समस्याओं से बचाने में मदद करती है।

घटाता है वजन

यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो डांस को अपनी डेली रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं। इससे शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह एक कार्डियो एक्सरसाइज की तरह काम करती है और मांसपेशियों में जमा फैट पचाने में भी मदद करती है। आप हिप-हॉप, फ्री स्टाइल, जुम्बा, बैली डांस जैसी कैलोरी बर्न एक्सरसाइज

कमलनाथ ने कसा तंज

शिलान्यास मंत्री हैं सीएम शिवराज जेब में नारियल लेकर चलते हैं

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में चुनाव नजदीक आने के साथ नेताओं की जुबानी जंग भी तेज हो रही है। कांग्रेस और बीजेपी के नेता रोजाना एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम शिवराज सिंह चौहान पर जोरदार तंज कसा है। कमलनाथ ने शिवराज को शिलान्यास मंत्री करार दिया है। उन्होंने कहा है कि शिवराज अपनी जेब में नारियल लेकर चलते हैं। जहां जाते हैं, किसी काम का शिलान्यास कर देते हैं। सोमवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय में कमलनाथ ने कहा कि शिवराज मुख्यमंत्री होने के साथ शिलान्यास मंत्री भी हैं। वे झूठी घोषणाओं की मशीन अपने साथ लेकर चलते हैं। उनकी जेब में नारियल होता है। जहां जाते हैं, किसी काम का शिलान्यास करते हैं, लेकिन जनता बेहद समझदार है। वह सब समझ रही है। कर्नाटक विधानसभा चुनावों के नतीजों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने भगवान बजरंगबली के नाम का दुरूपयोग करने का भरपूर प्रयास किया। इसके बावजूद कांग्रेस से आधी सीटें भी नहीं जीत पाई। कमलनाथ ने कहा कि यदि मध्य प्रदेश में कट्टरवादी संगठनों की घुसपैठ हुई है तो उन पर नकेल कसने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि जो व्यक्ति या संगठन समाज में नफरत, वैमनस्यता और बांटने की बातें करे, उस पर बैन लगना चाहिए। जहां कहीं भी कांग्रेस की सरकार है, वह उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी, लेकिन किसी व्यक्ति अथवा संस्था को टारगेट करने का काम नहीं करतीं।

द केरल स्टोरी को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि मैंने फिल्म नहीं देखी। इसलिए इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। बीजेपी इसके जरिए धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक मंच पर लेकर आ रही है, लेकिन आम मतदाता अब समझदार हो चुका है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में उन्होंने बताया कि कांग्रेस का वचन पत्र लगभग तैयार हो चुका है। किसान कर्ज माफी से जुड़ी हुई तमाम घोषणाएं वचन पत्र में आ जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नारी सम्मान योजना को प्रदेशभर से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मुद्दा यह है कि जनता किस पर विश्वास करती है। इसी विश्वास के मुद्दे पर मध्य प्रदेश का चुनाव लड़ा जाएगा।

पांच बार से हार रही 66 सीटों पर कांग्रेस का स्पेशल प्लान

बीजेपी का गढ़ भेदने के लिए बन रही खास रणनीति

■ भोपाल, यशभारत।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत से उत्साहित कांग्रेस को अब मध्य प्रदेश में भी अपने लिए बेहतर संभावनाएं दिख रही हैं। पार्टी का प्रदेश नेतृत्व दोगुने उत्साह से चुनाव की तैयारियों में जुट गया है। इसमें कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व भी उसे हरसंभव मदद कर रहा है। विधानसभा की सभी 230 सीटों के लिए खास रणनीति बन रही है। पार्टी की उन 66 सीटों पर खास नजर है जहां पिछले पांच चुनावों में उसे हार मिली है। इन सीटों की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को दी गई है। प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल और कमलनाथ के बीच बैठक में हारी हुई सीटों के लिए स्पेशल प्लान पर सहमति बनी है। एआईसीसी ने मध्य प्रदेश के लिए चार ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। इन सीटों पर जीत की रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी इन नेताओं को दी गई है। वे इन सीटों का फीडबैक लेकर स्थानीय नेताओं से विचार-विमर्श करेंगे। फिर अपनी रिपोर्ट पीसीसी को सौंपेंगे।

सुभाष चोपड़ा को भोपाल की जिम्मेदारी

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके सुभाष चोपड़ा को भोपाल संभाग के सीटों की जिम्मेदारी दी गई है। महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में हारी हुई सीटों पर जीत की रणनीति उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप टम्टा तैयार करेंगे। इसी तरह, ग्वालियर-चंबल अंचल की जिम्मेदारी कुलदीप राठौर जबकि मालवा-निवाड़ की अर्जुन मोरवड़िया को दी गई है।

66 में से 40 पर पहुंचे कमलनाथ

कांग्रेस की पहुंच से दूर रही इन 66 सीटों पर जीत के लिए पार्टी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ इनमें से 40 सीटों पर पिछले तीन महीने में पहुंच चुके हैं। उन्होंने जिला पदाधिकारी, मंडलम और सेक्टर प्रभारियों के साथ मीटिंग की है। दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आम कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें मिलकर काम करने का संदेश दे रहे हैं। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस के रणनीतिकार कानूगोलू की टीम ने मध्य प्रदेश में संभाला मोर्चाकर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के रणनीतिकार रहे सुनील कानूगोलू की टीम मध्य प्रदेश पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के पुत्र व छिंदवाड़ा से कांग्रेस सांसद नकुल नाथ के आवास पर कानूगोलू की टीम ने वार रूम स्थापित कर दिया है। यह टीम राज्य में भाजपा को घेरने की रणनीति, मुद्दे और टिकट के दावेदारों की स्थिति को लेकर सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रहे हैं। एक ओर जहां संगठन को मजबूत करने की दिशा में बूथ, सेक्टर और मंडलम स्तर पर बैठकें की जा रही हैं तो दूसरी ओर मैदानी स्थिति का आकलन निजी एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है।

भोपाल से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की उड़ान में खराबी नहीं हो सकी टेक आफ

■ भोपाल, यशभारत।

एयर इंडिया की भोपाल से दिल्ली जा रही सुबह की उड़ान में मंगलवार को अचानक तकनीकी खराबी आ गई। उड़ान टेक ऑफ नहीं हो सकी। इस कारण इसे निरस्त करना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की उड़ान संख्या ए आई 435 सुबह निर्धारित समय पर भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर लैंड हो गई थी। सुबह करीब 9:00 बजे यह उड़ान वापस दिल्ली रवाना होने वाली थी। उसी समय उड़ान के इंजन में कुछ खराबी महसूस हुई। इंजीनियरों ने उड़ान को चेक किया लेकिन इसे समय पर ठीक नहीं किया जा सका। बताया जाता है कि इंजन से कुछ असामान्य आवाज आ रही थी। उड़ान को फिटनेस लायक नहीं पाए जाने पर इसे निरस्त कर दिया गया। यात्रियों को बताया गया कि फ़िलहाल वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था नहीं हो पाएगी, इसलिए या तो वे रिफंड ले या दूसरी उड़ानों से रवाना हो जाए। उड़ान खराब होने के कारण कुछ यात्रियों ने कल की उ?ान से जाने की सहमति दी। कुछ यात्रियों ने इंडिगो की उड़ान से दिल्ली रवाना होने की सहमति दी। खबर लिखे जाने तक विमान को ठीक किया जा रहा था लेकिन विमान को ठीक नहीं किया जा सका था।

बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता सखवार भाजपा में हुए शामिल

■ भोपाल, यशभारत।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व विधायक, विधायक दल के पूर्व नेता एवं कांग्रेस नेता सत्यप्रकाश सखवार ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान के विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सखवार का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। उनके साथ मुरैना जिले से युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राधाकृष्ण पचौरी ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।इस दौरान सत्यप्रकाश सखवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में ना कोई संगठन है, ना ही कोई नेता है, ना ही कोई विधान है। कांग्रेस गुटों की पार्टी है और गुटों में लड़ रहे हैं। क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जनकल्याणकारी नीतियों से हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। कांग्रेस में मेरी लगातार उपेक्षा हो रही थी। कांग्रेस ने पूरे देश के दलितों के साथ कुठाराघात करने का काम किया है। कांग्रेस ने मुझे पिछला चुनाव हराने का काम भी किया। उन्होंने कहा कि पार्टी हमें जो दायित्व देगी हम उस पर खरे उतरेंगे।

रिश्वत मांगने वाले सीनियर अधिकारी पर चला शिवराज का हंटर, नौकरी से निकाला

■ भोपाल, यशभारत।

सार्वजनिक मंचों से अधिकारियों को सस्पेंड करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर फॉर्म में नजर आए। सोमवार रात को उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर रैंक के अफसर और उच्च शिक्षा विभाग में पदस्थ विशेष कर्तव्य अधिकारी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया। बर्खास्त किए गए ओएसडी क्लास वन रैंक के अधिकारी हैं। उनका एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद सीएम ने कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग में संजय जैन विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के पद पर

कार्यरत थे। उनका मूल पद एक कॉलेज में प्रोफेसर रैंक का है। दो महीने पहले संजय जैन का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे एक आवेदक से पैसे की मांग कर रहे हैं। वह आवेदक अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण में संजय जैन से मिला था। वायरल हुए ऑडियो के बाद इस मामले को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संज्ञान में लिया था। अब दो महीने में उनकी विभागीय जांच पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संजय जैन को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

सख्त दिखा रहे मुख्यमंत्री

पिछले कुछ दिनों के प्रकरणों को देखा जाए तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सार्वजनिक मंचों पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर कोई भी अधिकारी या कर्मचारी जनता को परेशान करेगा तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इसके पहले मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक मंचों पर कई अधिकारियों को सस्पेंड भी किया है।

हेमा मीणा को भी नौकरी से निकाला था पिछले दिनों पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन में पदस्थ संविदा इंजीनियर हेमा मीणा पर लोकायुक्त के छापा पड़ने के दूसरे ही दिन उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि छापे की कार्रवाई के बाद मुख्यमंत्री ने मीणा को बर्खास्त करने का तत्काल

मध्य प्रदेश में कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करेगी भाजपा

■ भोपाल, यशभारत।

कर्नाटक के चुनाव परिणाम के बाद मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी मिशन 2023 की राह में चुनौती बन रही कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करेगी। पार्टी इसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की मदद लेगी। चुनावी आहट के बीच कार्यकर्ताओं का मन टटोलने के साथ ही भाजपा उनकी नाराजगी दूर करने पर भी गंभीरता से काम प्रारंभ कर रही है। कर्नाटक में मिली हार के बाद संवादहीनता, काम न होना, महत्त्व न मिलने जैसी शिकायतों को लेकर संगठन सक्रिय हो गया है। दरअसल, पीढ़ी परिवर्तन और कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं के कारण पार्टी कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग नाराज होकर घर बैठ गया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच समरसता के दावे कमजोर हैं, वहीं पार्टी के मूल कार्यकर्ताओं को भविष्य की चिंता भी सता रही है। इन परिस्थितियों में भी उनकी पार्टी में पूछ-परख न होना नाराजगी को बढ़ावा दे रही है। भाजपा ने तय किया है कि अगले दो महीने के अंदर सारे कार्यकर्ताओं की मान-मनौव्वल कर उन्हें काम पर लगा दिया जाए। पूर्व मंत्री दीपक जोशी द्वारा भाजपा छोड़ कांग्रेस खेमे में जाने के बाद चुनावी साल में राजनीतिक दलों के बीच दल-बदल का क्रम और तेज होने के आसार हैं। कई अन्य नेता भी कांग्रेस के निशाने पर हैं। ऐसे में अब पार्टी के सामने चुनौती यह है कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर कैसे किया जाए?

मध्य प्रदेश में एमबीबीएस द्वितीय और तृतीय वर्ष की हिंदी पुस्तकें एक साथ होंगी तैयार

■ भोपाल, यशभारत।

एमबीबीएस की द्वितीय और तृतीय वर्ष की हिंदी में पुस्तकें एक साथ तैयार की जाएंगी। प्रथम वर्ष की पुस्तकें तैयार करने की जिम्मेदारी गांधी मेडिकल कालेज को दी गई थी, पर अब पुस्तकें तैयार करने के लिए एजेंसी का चयन किया जा रहा है। एजेंसी के साथ यह अनुबंध किया जाएगा कि उसे पुस्तकें कितनी मात्रा में और कब प्रकाशित करनी हैं। बता दें कि इसी वर्ष नवंबर से द्वितीय वर्ष की पुस्तकों की आवश्यकता पड़ेगी। सितंबर तक पुस्तकें तैयार करने की तैयारी है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि द्वितीय वर्ष में पांच और तृतीय वर्ष में सात पुस्तकें लगती हैं। प्रथम वर्ष की तरह अंग्रेजी पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। अनुवाद करने के लिए संबंधित विषयों के फैकल्टी की ड्यूटी लगाई गई है। अनुवाद का काम लगभग छह माह से चल रहा है। संचालनालय के अधिकारियों ने यह भी बताया कि हिंदी पुस्तकों में अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को उसी रूप में स्पेलिंग के साथ लिखा जाएगा। उदाहरण के तौर पर मधुमेह को स्पेलिंग के साथ डायबिटीज लिखा जाएगा। विद्यार्थियों को प्रकाशक से पुस्तकें खुद खरीदनी होंगी। शासन की तरफ से सिर्फ कालेज के पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। बता दें कि प्रदेश में पिछले वर्ष से ही सरकारी कालेजों में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में हिंदी पुस्तकें तैयार कराई गई हैं, जिससे हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को पढ़ाई में आसानी हो।

फार्मेसी का छात्र महंगे शौक पूरा करने बन गया लुटेरा, 30 सीसीटीवी देखकर किया गिरफ्तार

भोपाल, ,यशभारत।

फार्मेसी द्वितीय वर्ष के छात्र एफ सेक्टर अयोध्या नगर निवासी 20 वर्षीय विवेक चन्द्र कुचबोरिया को पुलिस ने लूट की वारदात में गिरफ्तार किया है, वह ब्रांडेड कपड़े,फोन जैसे महंगे शौक को पूरा करने के लिए लूट कर रहा था। बागसेवनिया पुलिस ने रविवार को हुई दो लूट की वारदात में उसे 30 सीसीटीवी की फुटेज देखकर उस तक पहुंच सकी।गिरफ्तारी के बाद उसने लूट की वारदात करना कबूल कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उसके पास लूट के 39 हजार रूपये और एक स्कूटर जब्त किया है।

बागसेवनिया टीआइ संजीव चौकसे के मुताबिक साकेत नगर निवासी वर्षा आठोले निजी नौकरी करती हैं।रविवार को दोपहर सवा तीन बजे के करीब वह घर से लाइब्रेरी में पढ़ने जा रही थी और रास्ते में पैदल - पैदल मोबाइल पर आनलाइन क्लास ले रही थी, उसी समय एक युवक स्कूटर से आया और उनके दाये हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गया। उन्होंने घटना के बाद दोस्तों को सूचना दी,बाद में बागसेवनिया थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी। वह अभी लूट की एफआइआर करा रही थी, तभी पुलिस को साकेतनगर निवासी 23 वर्षीय सीए की छात्रा कृतिका बरगाह के साथ लूट की एक और सूचना मिल गई, घटना के समय कृतिका अपनी सहेली के साथ स्कूटी पर जा रही थी और बैग कंधे पर टंका था और उसमें 26 हजार पांच सौ रुपये और आधार और एटीएम कार्ड रखे थे। इस दौरान पुलिस की टीमें आरोपित की तलाश में लगी थी। तभी पुलिस ने सीसीटीवी से पूरा रूटमेप बनाया और आरोपित को डीआरएम आफिस जाते समय घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

वन विहार में गर्मी बढ़ी तो पशुओं के लिए लगाए खस और कूलर, खानपान भी बदला

■ भोपाल, यशभारत।

राजधानी में बीते दिनों से शुरू हुआ गर्मी का दौर अब सताने लगा है। ऐसे में इंसानों के साथ जानवरों का भी बुरा हाल है। यही वजह है कि राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में जानवरों को इस गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए वन विभाग ने खास इंतजाम किए हैं। गर्मी का बुरा असर जानवरों की सेहत पर न पड़े, इसलिए उनके बाड़ों में बड़े-बड़े कूलर, छांव के लिए ग्रीन मेट और ठंडी खस की पट्टियां लगाई गई हैं। इके साथ ही शाकाहारी जानवरों के खानपान में भी बदलाव किया गया है। बता दें कि वन विहार में जंगली जानवरों को देखने बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

भालू खा रहे तरबूज-खरबूज

गर्मी को देखते हुए शाकाहारी जानवरों के खानपान में बदलाव किए गए हैं। भालू को मौसमी फल खरबूज, तरबूज आदि खाने को दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार जानवरों के लिए वन विहार में ही हरी घास (बरसीन) उगाई गई है, जो गर्मी में उनके भोजन का मुख्य स्त्रोत है। इसी के साथ जानवरों को कुछ और लिक्विड फूड दिए जा रहे हैं।

न्यू टाइगर हाउस का निर्माण किया

सुबह की हल्की धूप में बाड़ों के बाहर टहलते हुए नजर आने वाले टाइगर, तेंदुआ और भालू दिन की तपिश बढ़ते ही अंदर लगे कूलरों की तरफ चले जाते हैं। इसके बाद पूरी दोपहर ये जानवर कूलर की ठंडी हवा में आराम फरमाते हुए गुजारते हैं। वन विहार में राष्ट्रीय पशु बाघ के लिए खास तौर पर न्यू टाइगर हाउस बनाया गया है, जिसमें ग्रीन मेट, कूलर के साथ पानी के कुंड भी बनाए हैं, ताकि वन विहार की शान को किसी तरीके की दिक्कत न हो। खुले में घूमने वाले जानवरों को कूल रखने के लिए हट बनाई गई हैं।

वाटर पूल बनाए

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल की संचालक पद्माप्रिया बालाकृष्णन ने बताया कि बड़े जानवरों के लिए कूलर पंखे और ठंडक की व्यवस्था के साथ अन्य जानवरों का भी विशेष तौर पर ध्यान रखा जा रहा है। वन विभाग के केप्टिविटी में रखे गए वन्य प्राणियों के लिए जगह-जगह वाटर पूल बनाए गए हैं, ताकि जानवरों के लिए हर समय पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहे। वन विहार में बड़ी संख्या में हिरण, सांभर, मोर, जंगली सुअर, नीलगाय और बंदरों के झुंड रहते हैं। उन्होंने बताया कि जानवरों की सेहत की मानिटरिंग के लिए वन विभाग और डक्टरों की टीम भी तैनात कर दी गई है।

पगड़ी रस्म सभागृह को बहुउपयोगी बनाया जाएगा, एक हजार

भोपाल, ईएमएस। संत हिरदाराम नगर में पगड़ी रस्म एवं शोक सभाओं के लिए सभागृह का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। इसका निर्माण वन विभाग की जमीन पर किया गया है जहां से 85 पेड़ काटे गए हैं। नगर निगम को एक के बदले चार पौधे लगाने हैं। नगर निगम के अलावा अब बोरवन क्लब यहां पौधरोपण के लिए आगे आया है। क्लब ने एक हजार पौधे रोपने की तैयारी की है। इस सभागृह को बहुउपयोगी सभागृह के रूप में विकसित किया जाएगा जहां सुबह के समय योग, इनडोर खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां भी हो सकेंगी। बहुउपयोगी सभागृह के लिए हाल ही में भूमिपूजन किया गया था। यह पहला मौका है जब पूजन के दो दिन बाद ही काम प्रारंभ भी हो गया है। इस काम पर नगर निगम 50 लाख रूपये खर्च कर रहा है। यहां भव्य शेड एवं बैठने के लिए बैंच लगाने का भी प्रस्ताव है। पं. दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क में बने पुस्तकालय एवं वाचनालय के पास इसका निर्माण किया जा रहा है।

अवैध मांस विक्रय पर नहीं लग रहा प्रतिबंध

बिना लाइसेंस संचालित हो रही 75 प्रतिशत दुकानें

■ भोपाल, यशभारत।

राजधानी में प्रतिदिन लोग 800 क्विंटल से अधिक मांस खा जाते हैं। लेकिन इसकी गुणवत्ता जांचने के लिए ना तो नगर निगम और ना ही स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त अमला है। यहां तक कि 75 प्रतिशत मांस की दुकानें बिना लायसेंस संचालित की जा रही हैं। इनमें केवल पांच सौ दुकानदारों को ही नगर निगम से मांस विक्रय की अनुमति ली है। ऐसे में शहर में बिकने वाले मांस की गुणवत्ता का पता नहीं चल पाता है कि कहीं ये संक्रमित जानवर का मांस तो नहीं है। बतादें कि जिंसी स्थित स्लाटर हाउस में प्रतिदिन 200 से अधिक छोटे-बड़े जानवरों की स्लाटिंग की जाती है। प्रति जानवर 100 किलो मांस के हिसाब से बीस टन मांस निकलता है। इतने ही जानवरों की स्लाटिंग कसाईपुरा क्षेत्र में स्थित घरों में की जा रही है। मांस व्यापार से जुड़े लोगों के अनुसार शहर में रोजाना 80 टन मीट, मटन और चिकन बिकता है। भैंस,

पाड़ा और बकरे जैसे जानवरों की स्लाटिंग अवैध बूचड़खानों में की जाती है।जबकि स्लाटर हाउस में स्लाटिंग के बाद भैंस और पाड़े का मांस 411 वैध मांस की दुकानों में बिकता है, जबकि अवैध बूचड़खानों में कटने वाले जानवरों को शहर की करीब अवैध 1500 दुकानों में बेचा जाता है। अवैध रूप से बिकने वाले मीट का आंकड़ा 40 टन रोजाना है। इसमें से 10 टन मीट एक्सपोर्ट भी किया जाता है। इसी तरह शहर में रोजाना करीब 20 टन चिकन की खपत होती है।

नगर निगम से जारी हुए 500 लायसेंस शहर में चिकन, मटन और मीट बेचने को नगर निगम ने 500 लाइसेंस जारी किए हैं, जबकि दुकानों की तादाद इससे करीब चार गुना ज्यादा है। यानी शहर में हर एक वर्ग किमी के दायरे में तीन से चार अवैध मांस की दुकान है। इन दुकानों को बंद कराने के लिए नगर निगम ने उत्तर प्रदेश की तर्ज पर मुहिम शुरू की थी, जो महज तीन दिन ही चल सकी। जिसमें कुल 122 अवैध मीट दुकानें बंद कराई गई थीं।

भीषण गर्मी में यात्रियों के लिए पंखे तक नहीं प्रतीक्षालय में

सुविधाओं के नाम पर शून्य, नगर निगम के लिए केवल कमाई का जरिया है बसस्टेंड

कटनी,यशभारत । लगभग 100 एकड़ के विशाल भू भाग में फैला कटनी का प्रियदर्शिनी बस स्टैंड नगर निगम के लिए एक बड़ी कमाई का जरिया है। प्रतिदिन की वसूली तो हजारों में है ही सैकड़ों स्थाई दुकानों से लाखों रुपये मासिक किराया भी प्राप्त होता है। अब तो प्रति बस से 30 रुपये प्रवेश शुल्क भी वसूला जाने लगा है। साल में करोड़ों रुपये की आय देने वाले बस स्टैंड में यात्रियों के लिए पेयजल तक कि कहीं कोई व्यवस्था नहीं है। बसस्टेंड में छोटा मोटा व्यवसाय करने वाले दुकानदारों ने यात्रियों के लिए एक बड़ी टँकी रखवाई है जिसे ठंडा रखने के लिए बोरी फट्टी से बांध दिया गया है। टँकी में दो तीन टोंटी लगाकर जंजीर में बंधे ग्लास भी हैं। एक सामाजिक संगठन ने वाटर कूलर भी लगाया था जो काम नहीं करता। निजी बसों वाले स्टेंड में पिलर खड़े कर छाया के लिए छत बनाकर लम्बा चौड़ा यात्री प्रतीक्षालय तो बना दिया है पर छत पर पंखे नहीं लगे। बिना पंखों के खुले प्रतीक्षालय में लू के थपेड़ों के बीच बहती पसीने की धार पोंछते यात्री बसों का इंतजार करते हैं। नगर निगम एवं जिले के संवेदनशील कलेक्टर से आग्रह है कि सीएसआर फंड से जिस तरह जिला चिकित्सालय में कूलर और पंखों का इंतजाम कर रोगियों को राहत प्रदान की गई है कुछ इसी तरह के सकारात्मक प्रयासों से बसस्टेंड में भी यात्रियों को राहत प्रदान कराई जाए। वर्तमान में कटनी बस स्टैंड से लगभग ढ़ाई सैकड़ा से अधिक यात्री बसों का संचालन हो रहा। इंदौर, भोपाल, सागर, रीवा, सीधी, खजुराहो, ग्वालियर, मंडला, डिंडोरी, शहडोल, अमरकंटक सहित छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश आदि के प्रदेशों के लिए भी यहां से बसें मिलती हैं। प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री यहां पहुंचते हैं। हर साल गर्मियों के मौसम में शादी ब्याह के मुहुर्तो के कारण बस स्टैंड में बसों का टोटा पड़ जाता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा निर्धारित मार्गो पर चलने वाली 80 फीसदी बसों को बारातों के परमिट जारी कर दिए जाते हैं। स्थाई परमिट हो या अस्थाई लगभग सभी बस संचालन तय रुट पर बस चलाने के बजाय उसे बारातों में भेज देते हैं। चुनावी साल होने के कारण आये दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के दिग्गज नेताओं की रैलियां प्रदेश में आयोजित हो रहीं। इन रैलियों में भी इन्हीं बसों का उपयोग किया जाता है। जिन बस संचालकों के पास केवल एक या दो बसें है वे भी परमिट हासिल कर बसों को बारातों या रैलियों में भेज रहे। गर्मियों की छुट्टी और ब्याह बारातों के कारण जहां एक ओर यात्रियों की संख्या दुगनी तिगुनी हो जाती है वहीं बसों की संख्या एक चौथाई ही रह जाती है ऐसे में बस कंडक्टर छोटी दूरियों वाले यात्रियों को बस में बिठाते ही नहीं। उनसे अछूतों की तरह व्यवहार कर दूर खड़े रहने को विवश किया जाता है। लम्बी दूरियों के यात्रियों से जब बस फुल हो जाती हैं, उसमें खड़े रहने तक की गुंजाइश नहीं रहती तब छोटी दूरियों के यात्रियों को दरवाजे से लटका कर सफर कराया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों से पढ़ने लिखने के लिए आने छात्र-छात्राएं हों या बीमार परिजनों को ईलाज के लिए लेकर कटनी आने वाले सीधे साधे ग्रामीण सभी को ज्यादतियों का शिकार होना पड़ता है। एक-एक, दो-दो घन्टे में मुश्किल से एकाध बस आती है जिसमें सवारियों को भूसे की तरह भरकर यात्रा कराई जाती है। जिला अतिरिक्त परिवहन अधिकारी को इस ओर ध्यान देना चाहिए। जिन बस संचालकों के पास अतिरिक्त बसें हों उन्हें ही बारातों के परमिट जारी करना चाहिए ताकि नियमित रूट पर कुछ बसें चलती रहें। बस स्टेंड में दोनों ओर प्रवेश और निकासी के मार्ग हैं जिन पर खटारा बसों को खड़ा कर मार्ग बाधित कर दिया गया है। चाय-पान के ठेले टपरों सहित फलों के ठेले और चाट फुल्की की दुकानों का दोनों तरफ अवैध कब्जा है। रही सही कसर ऑटो चालकों की धमा चौकड़ी से पूरी हो जाती है। इन सारी अव्यवस्था का खामियाजा यहां यात्रियों को भुगतना पड़ता है। छोटे छोटे मासूम बच्चों के साथ बसों की प्रतीक्षा में बैठी महिलाओं को बीमार सदस्य को लेकर बैठे परिजनों की विवशता को, बुजुर्गों की मजबूरी और आम यात्रियों की परेशानी को देखकर लोग तरस तो खाते हैं पर इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को बुरा भला कहने से भी नहीं चूकते। जिम्मदारों को इस समस्या पर भी ध्यान देना चाहिए।

वार्डों की स्वच्छता से ही शहर बनेगा नंबर वन

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का महापौर के मुख्य आतिथ्य एवं निगमाध्यक्ष की उपस्थिति मे हुआ कार्यक्रम

कटनी,यशभारत। कटनी नगर पालिक निगम द्वारा ऑडिटोरियम में स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 जीरो वेस्ट इवेंट को लेकर जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत वार्ड पार्षदों को विभिन्न घटकों मानको दिशा निर्देशों ओ डी एफएवम स्टार रेटिंग की तैयारियों एव जनभागीदारी की गतिविधियों को प्रोत्साहन देने संबंधी जानकारी महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य में एवं नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे एमआईसी सदस्य स्वच्छता प्रभारी सुभाष साहू श्रीमती बीना बैनर्जी एवं वार्ड पार्षदों उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें स्वच्छ भारत अभियान एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 गतिविधियों की श्रंखला में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत जिले के अंतर्गत आने वाले समस्त नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों हेतु स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 एवं गारबेज फ्री सिटी स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल के तहत क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन ऑडिटोरियम में किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि हमारे शहर को स्वच्छ बनाने के लिए हमें भी साथ मिलकर अपने अंतर्मन से शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर पूरे मनोयोग से ध्यान देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में शहर को नंबर वन बनाने हेतु स्वास्थ्य विभाग के अलावा अन्य सभी विभागों की भागीदारी भी सुनिश्चित होना चाहिए। तो वहीं निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने शहर को साफ सफाई के साथण्साथ जन सहभागिता को बढ़ाने पर जोर दिया। आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे द्वारा वार्डो पर किसी भी स्थान में कचरे के ढेर नहीं बन पाए इसके लिए समस्त सफाई मित्रों को निर्देशित किया जिससे कि हमारा शहर की स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में प्रथम स्थान पर पहुंच जाए। इस दौरान केपीएमजी परियोजना प्रबंधन इकाई स्वच्छ भारत मिशन के वरिष्ठ सलाहकार अभिनय गर्ग द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 एवं गारबेज सिटी स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल में वार्ड पार्षदों की भूमिका एवं नगरीय आवास एवं विकास मंत्रालय से प्राप्त नवीन दिशानिर्देशों के अनुरूप सफाई एवं शहरी स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों के बारे में विस्तृत रूप से प्रस्तुतीकरण किया गया। क्षमता वर्धन कार्यशाला के माध्यम से नगर पालिक निगम कटनी के अलावा नगर परिषद बरही बिजरावगढ़ एवं कैमोर के सभी जनप्रतिनिधियों वार्ड पार्षदों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के मानकों के अनुरूप जमीनी स्तर पर तैयारियों एवं वार्ड स्तर पर मेरी लाइफमेरा स्वच्छ शहर के अंतर्गत संग्रहण केंद्रों के निर्माण हेतु मार्गदर्शन भी किया गया इन संग्रहण केंद्रों के माध्यम से नागरिकों की अनुपयोगी वस्तुओं को अन्य नागरिकों को उपयोग हेतु केंद्रों पर संग्रह किया जावेगा जो कि कचरा कम करने में सहायक होगा। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफाई मित्रों कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करने के साथ ही सहयोगी संस्था के पदाधिकारियों द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में बेहतर प्रदर्शन हेतु डोर टू डोर कचरा एकत्रीकरण को और बेहतर बनाने हेतु वार्ड पार्षदों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। इस दौरान पार्षद श्रीमती सीमा श्रीवास्तव श्रीमती शकुंतला सोनी श्रीमती प्रभा गुप्ता शशिकांत तिवारी राजेश भास्कर जयनारायण निषाद सरला मिश्रा श्याम पंजवानी उमेन्द्र अहिरवार सुरेंद्र गुप्ता सुशीला गोटिया सुमित्रा रावत ईश्वर बहरानी संदीप यादव सहित नगर निगम के उपयंत्री आदेश जैन स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी कार्यपालन यंत्री राहुल जाखड़ विक्रांत ब्राह्मण रवि शंकर पांडे रवि हनोते सुरेंद्र पांडे जितेंद्र जाटव मुकेश व्यास सहित अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

जनसुनवाई में आए 114 आवेदनों पर अपर कलेक्टर ने की सुनवाई

कटनी,यशभारत। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यालय कलेक्ट्रेट के नवीन सभाकक्ष में अपर कलेक्टर रोमानुस टोप्पो, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी एवं राकेश चौरसिया की उपस्थित में आयोजित हुई। जनसुनवाई के दौरान दूरदारज से आए लोगों की समस्याओं को सुना गया तथा उनके आवेदन लिए जाकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को उचित निराकरण के निर्देश दिए। आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से अपनी समस्या लेकर आए कुल 114 आवेदकों द्वारा अपने आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई में लाल बहादुर शास्त्री वार्ड निवासी किशुन दास मिश्रा पिता राममनोहर मिश्रा द्वारा विद्युत वितरण केन्द्र द्वारा भेजे गए अधिक बिल में सुधार किये जाने संबंधी आवेदन एवं कटनी खिरहनी फाटक निवासी गीता बाई द्वारा आबादी की जमीन मे मीटर स्थापित करने के पश्चात विद्युत कनेक्शन न जोडे जाने संबंधी आवेदन पर सुनवाई की जाकर मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के डी.ई. को आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया। पाठक वार्ड निवासी शाति बाई पति राजू द्वारा 20 हजार रूपये जमा करने के उपरांत भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिलनें संबंधी आवेदन पर सुनवाई की जाकर आयुक्त नगर निगम की ओर नियमानुसार कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। ग्राम धूरी बंधी तहसील बहोरीबंद निवासी भगवत प्रसाद सोनी डाबर इंडिया लिमिटेड के प्रबंधक द्वारा मजदूरों की पेशन राशि स्वीकृत नहीं किये जाने एवं पी.एफफंड की राशि नहीं दिये जाने संबंधी शिकायत पर सुनवाई करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बहोरीबंद की ओर आवेदन प्रेषित कर उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। तहसील बरही निवासी रामलाल गडारी द्वारा भूमि की गलत नाप कराकर अवैध कब्जा कराने संबंधी प्रस्तुत आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजयराघवगढ़ की ओर प्रेषित किया गया।

आदर्श परिवारों को किया सम्मानित

कटनी,यशभारत। आनंद संस्थान, आनंद विभाग, जिला कटनी द्वारा सोमवार को ग्राम बिचपुरा, जनपद पंचायत बड़वारा में जनपद अध्यक्ष श्रीमती पूजा जायसवाल एवं ग्राम सरपंच की उपस्थिति में जन अभियान परिषद, बड़वारा के सहयोग से ग्राम वासियों के बीच अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम उपस्थित सभी ग्राम वासियों को व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज तक की भूमिका अवगत कराई गई। तत्पश्चात आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले, मनीषा कांबले एवं रश्मि खरे द्वारा ग्राम वासियों के बीच ''परिवार में झगड़े क्यों होते हैं'' नामक नाटक प्रस्तुत किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को अनिल कांबले, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर एवं आनंदम सहयोगी बालमुकुंद मिश्रा द्वारा परिवार की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में ग्राम के पांच आदर्श परिवारों का चयन कर उन्हें फूल माला एवं श्रीफल द्वारा जनपद अध्यक्ष, ग्राम सरपंच एवं आनंद विभाग से उपस्थित सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया।

किसानों को 153 करोड रूपये का अब तक हुआ भुगतान

कटनी,यशभारत। रबी विपणन वर्ष 2023-24 में कृषकों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य किया जा रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी बालेन्द्र शुक्ला ने बताया कि मंगलवार 16 मई तक की स्थिति में 17 हजार 469 कृषकों द्वारा 1 लाख 11 हजार 599 मेट्रिक टन गेहूँ विक्रय किया गया है। जिसके विरुद्ध अब तक 152.94 करोड़ रूपये का भुगतान जे.आई.टी के माध्यम से कृषकों को किया जा चुका है। शेष भुगतान की कार्यवाही शासन स्तर से प्रचलन में है।

कूटरचित तरीके से भूमिस्वामी हक में दर्ज तालाब पुनः सरकारी होगा

शासकीय भूमि के संरक्षण की दिशा में न्यायालय कलेक्टर ने दिया महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश

कटनी,यशभारत। शासकीय भूमि विशेष कर पानी मद की शासकीय भूमियों को संरक्षित करने की दिशा में न्यायालय कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद द्वारा एक लोकहित में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए शासकीय तालाब को विधि असम्मत प्रक्रिया अपनाकर कूटरचित तरीके से हथियाने के एक प्रकरण में तालाब को पुनः शासकीय मद में दर्ज करने का अंतरिम आदेश पारित किया है। न्यायालय कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद द्वान्यायालय कलेक्टर द्वारा मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 32 के तहत प्रदत्त अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश पारित किया गया है। साथ ही भूमिस्वामियो को भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत नोटिस जारी करने का आदेश भी दिया है। ढीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम परासी पटवारी हल्का नंबर 35 स्थित खसरा नंबर 144 रकवा 7.46 हेक्टेयर हेक्टेयर पानी मद की भूमि कूटरचित तरीके से नरेश कुमार पिता रामकुमार, सुरेश कुमार पिता रामकुमार, नंद कुमार पिता रामकुमार और राजकुमार पिता रामकुमार द्वारा अपने नाम पर दर्ज करा लिए जाने की शिकायत रणजीत पटेल पिता घासीराम पटेल द्वारा प्रस्तुत की गई थी। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी ढीमरखेड़ा द्वारा जांच कर 30 दिसंबर 2022 को प्रस्तुत अपने प्रतिवेदन के माध्यम से प्रतिवेदित किया गया कि ग्राम परासी स्थित खसरा नंबर 144 रकवा 7.46 हे. मिसल बंदोबस्त वर्ष 1989-90 में नरेश कुमार, सुरेश कुमार, राजकुमार, नंदकुमार निवासी बरेली भूमि स्वामी के रूप में अभिलेख में दर्ज है। बंदोबस्त से पूर्व के प्रस्तुत दस्तावेज के अवलोकन में उक्त भूमि पुराना खसरा नंबर 301 वर्ष 1970-71 से 1973-74 तक मध्यप्रदेश शासन पानी मद में दर्ज थी। 1975-76 के खसरा पांचशाला के संशोधन में भूमि राजकुमार, नरेश कुमार, सुरेश कुमार, नंदकुमार भूमिस्वामी दर्ज सीलिंग एक्ट काबिज पर तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी के आदेश पर दर्ज होना पाया गया जो निरंतर दर्ज हैं। वर्ष 1980-81 से 1983-84 तक का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं पाए जाने और उसके बाद 1985-86 से उक्त भूमि के खसरे के कालम नंबर 3 में पूर्व में दर्ज पानी एवम् तालाब विलोपित पाया गया। वर्ष 1989-90 में बंदोबस्त के समय नया खसरा नंबर 144 के खसरा कॉलम नंबर 2 में तालाब जुड़ा होने, वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक खसरा पांचशाला के कॉलम नंबर 1 पर तालाब एवम् कैफियत पर मौके पर तालाब पानी अभिलिखित पाया गया, लेकिन वर्ष 1995-96 से 1998-99 में कैफियत से तालाब और पानी विलोपित पाया गया। जांच में प्रथम दृष्टया यह तथ्य भी सामने आए कि बिना किसी प्रमाणिक दस्तावेज के अनावेदकों के नाम बिना किसी आधार के खसरे में दर्ज किए गए हैं।

उच्च न्यायालय के एक फैसले के आधार पर लिया निर्णय

अनुविभागीय अधिकारी ढीमरखेड़ा द्वारा इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख से भी प्रतिवेदन लिया गया, जिसमें भूमिस्वामियों के नाम खसरे पर की गई प्रविष्टि संदेहास्पद और सीलिंग मावजे की कैफियत प्रविष्टि वर्ष 1975-76 का बगैर परीक्षण किए जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाना पाया गया। न्यायालय कलेक्टर कटनी द्वारा प्रतिवेदनों, अधीनस्थ न्यायालयों और अधीक्षक भू अभिलेख के प्रतिवेदनों का अवलोकन किया गया। जिसमें प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि ग्राम परासी स्थित खसरा नंबर 144 रकवा 7.46 हे पुराना खसरा नंबर 301 रकवा 7.446 हे भूमि 1970-71 से 1973-74 तक मध्य प्रदेश शासन पानी मद में दर्ज थी। राजस्व अभिलेखों में निरंतर तालाब (पानी) मद में दर्ज भूमि बिना मद परिवर्तित किए बिना सक्षम आदेश के भूमिस्वामी हक में दर्ज होने पर न्यायालय कलेक्टर कटनी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के द्वारा स्नेहलता श्रीवास्तव एवम् अन्य विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवम् अन्य के प्रकरण में दिए गए न्याय दृष्टांत के तहत मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग हेतु विधि अनुरूप पाया गया। न्यायालय कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद द्वारा लोकहित में मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 32 के तहत प्रदत्त अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भूमि को शासकीय तालाब में दर्ज करने का अंतरिम आदेश पारित कर तहसीलदार को अभिलेख अद्यतन कराकर अवगत कराने आदेशित किया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा दिया गया यह निर्णय शासकीय भूमियों और पानी मद की भूमियों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण फैसला है। यह निर्णय कूटरचित दस्तावेजों और विधि असम्मत प्रक्रिया अपनाकर पानी मद की भूमि हड़पने वालों को हतोत्साहित करेगा।

तिलक महाविद्यालय में प्राचीन भारत की ज्ञान परंपरा विषय पर हुआ व्याख्यान

कटनी,यशभारत। शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी में मंगलवार को आजादी की अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन भारत की ज्ञान परंपरा विषय पर महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व प्राचार्य तथा समाजशास्त्र विषय के प्राध्यापक डॉ आर एस त्रिपाठी रहे। अपने व्याख्यान में डॉ त्रिपाठी ने प्राचीन भारत की औषधीय रसायन का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बताया प्राचीन भारत में औषधीय रसायन की खोज का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को दीर्घायु बनाना था। उन्होंने प्राचीन भारत में धातु रूपांतरण (ट्रांस मेटालेशन) पर भी प्रकाश डाला। महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ के पी मिश्रा ने बताया प्राचीन भारत को जानने के लिए सबसे पहले संस्कृत भाषा को अच्छे से सीखना पड़ेगा तभी हम लोग प्राचीन भारत के वैज्ञानिक ग्रंथों का लाभ ले पाएंगे। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ हेमलता गर्ग ने बताया कि हम लोग पाश्चात्य संस्कृति की करीब आते आते अपने मूलभूत संस्कृति को भूल रहे हैं। युवाओं को जरूरत है कि वह प्राचीन परंपरा को अच्छे से जाने। यह कार्यक्रम रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो पुनर्वसु भट्टाचार्य के निर्देशन एवं प्रो राजेश साहू के सहयोग से आयोजित हुआ। मंच का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो आनंद प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ माधुरी गर्ग, रसायन शास्त्र विभाग से डॉ नेहा त्रिपाठी, समाजशास्त्र विभाग से डॉ ऋतु त्रिपाठी, अन्य प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners

CINEWORLDZ CINEMA KATNI by CMW
Mittal MALL
Paytm
bookmyshow

From 15th May 2023

Cineworldz Cinema Katni by CMW
Schedule for the week 15 May to 18 May, 2023

Audi-01	Show	Rate
The Kerala Story	10.00.00 AM	119-147-174-321
The Kerala Story	1.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	4.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	7.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	10.00.00 PM	119-147-174-321
Audi-02	**Show**	
The Kerala Story	11.00.00 AM	119-147-174-321
The Kerala Story	2.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	5.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	8.00.00 PM	119-147-174-321
The Kerala Story	10.45.00 PM	119-147-174-321
Audi-03	**Show**	
Chatrapathi Hindi	10.30.00 AM	120-140-140
IB71 Hindi	1.30.00 PM	120-140-140
Chatrapathi Hindi	4.30.00 PM	120-140-140
IB71 Hindi	7.30.00 PM	120-140-140

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor, Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

धर्मशाला स्टेडियम में आईपीएल मैचों के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

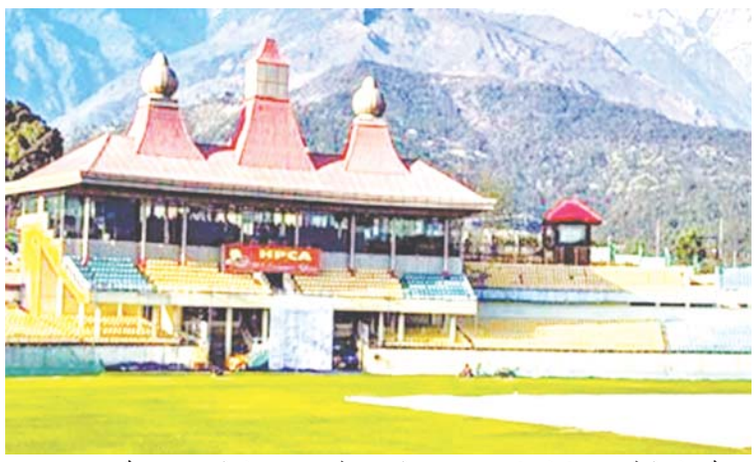

धर्मशाला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्टेडियम में 17 व 19 मई को आईपीएल मैच खेले जाएंगे। 17 मई को पंजाब और दिल्ली का मैच होगा। वहीं 19 मई को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स का मैच होगा। ऐसे में पर्यटकों व क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ ज्यादा तादाद में रहेगी। इन आईपीएल मुकाबलों को देखते हुए स्टेडियम की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इन मैच के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को सुरक्षा इंतजामों में लगाया गया हे। इसमें शहर को 4 सैक्टर में बांटा गया है। इसमें पहला सैक्टर स्टेडियम परिसर, दूसरा ट्रैफिक और पार्किंग, तीसरा स्टेकहोल्डर्स के ठहरने वाला स्थल और चौथा सैक्टर खिलाड़ियों के रहने वाला स्थल होगा। मैच वाले दिन धर्मशाला स्टेडियम सहित खिलाड़ियों के ठहरने वाले स्थल से लेकर स्टेडियम को आने वाले रूट पर 4 ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। खिलाड़ियों के ठहराव स्थल और खिलाड़ियों के अभ्यास मैच के लिए आने-आने के दौरान भी प्रवेश द्वारों पर क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) के जवान तैनात रहेंगे। इस दौरान इस रास्ते पर अन्य वाहनों को अनुमति नहीं रहेगी। इन मैचों के दौरान दर्शकों को प्रवेश साढ़े 4 बजे से मिलने लगेगा। वहीं मैच का समय शाम साढ़े 7 बजे रहेगा। एसपी कांगड़ा ने लोगों से अपील की है कि जिनके पास टिकट नहीं हैं, ऐसे लोग स्टेडियम की ओर न आएं, ताकि अनावश्यक भीड़ न हो। आसपास रहने वाले लोगों के वाहनों को डाईट चौक से होते हुए चीलगाड़ी रोड से कोतवाली बाजार की ओर भेजा जाएगा।धर्मशाला से खनियारा रूट पर जाने वाले वाहनों को वाया दाड़ी-कंड होते हुए भेजा जाएगा, जबकि खनियारा से धर्मशाला आने वालों के लिए दाड़नू से होते हुए फव्वारा चौक कोतवाली बाजार पहुंचाया जाएगा। धर्मशाला से मैक्लोडगंज जाने वाले वाहनों को बाईपास से होकर भेजा जाएगा। मैक्लोडगंज से आने वाले वाहनों को खड़ा डंडा रोड से धर्मशाला लाया जाएगा। मैच के लिए जिला पुलिस द्वारा बनाया गया ट्रैफिक प्लान आपातकालीन सेवा वाहनों पर लागू नहीं होगा। आईपीएल मैच देखने आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग सुविधा जोरावर स्टेडियम और दाड़ी मेला ग्राऊंड में उपलब्ध रहेगी।

टाइटंस को नंबर तीन पर बेहतर बल्लेबाज रखना होगा: इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि गुजरात टाइटंस के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी की समस्या बनी हुई है और टीम इससे किस प्रकार से उबरती है यह अहम रहेगा। कैफ ने कहा, गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले मैच में अपने और अपनी टीम के प्रदर्शन से नाराज थे। इसलिए वह अब आने वाले मैचों में अपनी टीम से बेहतर प्रदर्शन चाहेंगे। पठान ने इस आईपीएल में गुजरात के बल्लेबाजी क्रम को लेकर कहा कि तीसरे नंबर पर टीम को एक अच्छा बल्लेबाज चाहिये। उसे नंबर 3 पर बल्लेबाजी की समस्या से निपटना होगा तभी वह आगे जा सकेगी। हार्दिक इस साल बेहतर बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं। अगर वह नंबर तीन पर नहीं चल रहे हैं, तो टीम प्रबंधन के इस क्रम पर किसी अन्य बल्लेबाज को रखना होगा पर ये आसान नहीं हैं क्योंकि अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी प्रभावशाली नहीं रहा है। हार्दिक अभी तक एक भी मैच में अधिक रन नहीं बना पाये हैं हालांकि उनकी कप्तानी अच्छी रही है।

वरुण को नीलामी में खरीदना चाहते थे : फ्लेमिंग

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएकसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्पिनर वरूण चक्रवर्ती की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वे उसे खरीदना चाहते थे पर नीलामी में सफल नहीं हो पाये थे। वरुण कुछ साल तक चेन्नई के सीएसके टीम के नेट गेंदबाज भी रहे थे। उन्होंने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित सीएसके टीम के बल्लेबाजों को अपनी गेंदबाजी से खास परेशान करने के साथ ही प्रभावित भी किया था। चेपॉक पर आईपीएल के अपने पहले ही मैच में वरुण ने दो विकेट लिए थे। फ्लेमिंग ने कहा,'वरूण को हासिल नहीं कर पाने का दुख हमें आज तक है। उसने कई साल हमें नेट पर परेशान किया। हम नीलामी में उसे खरीद नहीं सके। चक्रवर्ती को पंजाब किंग्स ने साल 2019 में आठ करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा और 2020 में केकेआर ने उसे चार करोड़ में खरीदने के बाद टीम में ही रखा है। फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी केकेआर के खिलाफ हालात को समझ नहीं पायी। उन्होंने कहा, ''हम हालात को पढने में नाकाम रहे। बल्लेबाजों के लिए यह कठिन मैच था। विकेट में शुरूआत मे काफी उछाल थी जो धीरे धीरे खत्म हो गई। हम इन नए हालात में खेलना अभी भी सीख रहे हैं। वहीं केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने रिंकू सिंह को किसी भी टीम के लिए आदर्श पैकेज बताया। उन्होंने कहा, ''रिंकू स्पिन को बखूबी खेलता है। उसका प्रथम श्रेणी सत्र देखें तो रिंकू उन तीन चार खिलाड़ियों में से है जो पिछले दो तीन सत्र में सफल रहे हैं । उसे पता है कि इन हालात में कैसे खेलना है। घरेलू क्रिकेट में काफी चुनौतीपूर्ण पिचें मिलती है और मुझे खुशी है कि वह इतना कामयाब रहा है।

टी20 टीम में विराट-रोहित की जगह युवाओं को रखा जाये : रवि शास्त्री

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अब टी20 में विराट कोहली और रोहित शर्मा से भारतीय टीम को आगे बढ़ना चाहिये। शास्त्री के अनुसार अगले टी20 विश्वकप 2024 को देखते हुए इन दोनो की ही जगह युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये जाने चाहिये। शास्त्री ने कहा, आईपीएल के बाद जो भी पहली टी20 सीरीज टीम इंडिया खेले, उसमें युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाए। यशस्वी जायसवाल, जितेश शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों को एकदम से अवसर दिया जाना चाहिए। रोहित और विराट ने अपने को साबित किया है पर मैं अब युवा खिलाड़ियों के साथ जाना चाहूंगा। जिससे विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट के लिए तरो-ताजा बने रहें। साथ ही कहा कि टीम इंडिया में चयन का आधार केवल वर्तमान फॉर्म होना चाहिए। एक साल लंबा समय होता है। खिलाड़ी फॉर्म में हो सकते हैं या उनका फॉर्म जा सकता है। टीम चयन में अनुभव, फिटनेस भी अहम होगा। इस समय कौन सा खिलाड़ी सबसे ज्यादा चर्चा में है, किसके प्रदर्शन में निरंतरता है, कौन रन बना रहा है? हमें इन सब बातों पर भी ध्यान देना होगा। शास्त्री का ये भी मत है कि हर स्थान के लिए स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए। किसी भी खिलाड़ी को उस भूमिका में जबरदस्ती नहीं डालना चाहिए, जो उसने पहले नहीं निभायी है और टीम में बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का अच्छा मिश्रण भी जरूरी है। अब तक देखा गया है कि आईपीएल में जिस भी टीम के पास ऐसा संयोजन है, वो अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसके अलावा शास्त्री ने एक बार फिर हार्दिक पंड्या को टी20 का स्थायी कप्तान बनाने को कहा। उनका मानना है कि हार्दिक ने जिस तरह से गुजरात टाइटंस की टीम तैयार की है, उसे देखकर लगता है कि वो टीम इंडिया के लिए भी सही लोगों को सही पोजीशन के लिए चुन सकते हैं।

अर्जुन तेंदुलकर को कुत्ते ने काटा, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले से पहले हुआ हादसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस को 16वें सीजन में अपना अगला मुकाबला मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलना है. मैच से पहले मुंबई इंडियंस के फैंस के लिए एक बुरी खबर है. इस सीजन में अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले अर्जुन तेंदुलकर को कुत्ते ने काट लिया था. लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें अर्जुन ने खुद इस बात का खुलासा किया है. अर्जुन युद्धवीर सिंह से मिल रहे हैं. इसी में वह इस बात से पर्दा हटाते हैं. अर्जुन ने बताया कि उन्हें 13 मई को कुत्ते ने काटा था. अर्जुन ने इस सीजन में आईपीएल डेब्यू किया. उन्होंने इस सीजन में कुल चार मैच खेले और तीन विकेट लिए. बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर के मैदान पर उतरने का इंतजार फैंस को लंबे समय से था. लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाला इस सीजन का 63वां मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी स्टेडियम पर खेला जाएगा. मुंबई के कुल 12 अंक हैं और लखनऊ की टीम के 13 अंक हैं. प्लेऑफ में पहुंचने के लिहाज से दोनों ही टीमों के लिए यह मैच बहुत महत्वपूर्ण है. मुंबई इंडियंस इस समय 12 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर है. अगर वह अपने दोनो मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें पूरी हो सकती हैं. इसके साथ ही वह टॉप 2 में भी रहेगी. वहीं अगर वह हारती तो उसके लिए सफर मुश्किल हो जाएगा।

रंग संसार

अंजुम फकीह जल्द ही टीवी पर करेगी खतरनाक स्टंट

मुंबई (ईएमएस)। टीवी एक्ट्रेस अंजुम फकीह जल्द ही टीवी पर खतरनाक स्टंट करते हुए दिखाई देंगी। वो रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में पार्टिसिपेट करने जा रही हैं। कुंडली भाग्य सीरियल में सृष्टि का किरदार निभाकर सबका दिल जीतने वाली अंजुम फकीह शो के लिए बहुत एक्साइटेड थीं, लेकिन अब उनकी हालत खराब हो गई है। शूटिंग शुरू होने से पहले ही वो एंजाइटी और फीवर से जूझ रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को ये जानकारी दी और उनके लिए प्रार्थना करने की गुजारिश की है। अंजुम फकीह को खतरों के खिलाड़ी 13 में कई जाने-माने चेहरों संग देखा जाएगा। इस सीजन में शिव ठाकरे, डेजी शाह, अर्चना गौतम और रोहित रॉय सहित कई सिलेब्स हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में अंजुम स्ट्रेस में आ गई हैं और अपने रिएलिटी शो डेब्यू से पहले ही बीमार पड़ गई हैं। उन्होंने फैंस को हेल्थ अपडेट दिया है। 33 साल की एक्ट्रेस अंजुम फकीह ने इंस्टाग्राम पर नोट लिखा है और बताया कि वो पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं हैं, उन्हें सपोर्ट और प्रेयर्स की जरूरत है। उन्होंने ये भी कंफर्म किया है कि वो एंजाइटी और फीवर का शिकार हो गई हैं। वो लिखती हैं, कुछ दिन हो गए हैं, मेरी तबीयत ठीक नहीं है, सारी चिंताएं मेरे अंदर आ रही थीं और कुछ एपिसोड थे जहां मैं बेचैन थी, तेज बुखार, खराब हेल्थ, यह आमतौर पर मेरे साथ होता है जब मैं खुद को तनाव से बाहर करती हूं।.. खतरों से लड़ने चली थी और खिलाड़ी की ये हालत है... कृपया प्रार्थना करें कि मैं ज्यादा न सोचूं, बस एक पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ उड़ना चाहता हूं.... आशा है कि जाने से पहले हम जल्द ही ठीक हो जाएंगे...अंजुम फकीह, शिव ठाकरे, डेजी शाह, अर्चना गौतम और रोहित रॉय के अलावा रूही चतुर्वेदी, ऐश्वर्या शर्मा, अंजलि आनंद, अर्जित तनेजा, सौंदस मौफकीर, नायरा बनर्जी का नाम कंफर्म हुआ है। इनके अलावा शीजान एम खान, मुनव्वर फारूकी और सुमेध मुद्गलकर का नाम भी सामने आ रहा है।

मेरी महाभारत ऐसी फिल्म होगी, जो न कभी देखी होगी, न सुनी होगी: राजामौली

मुंबई (ईएमएस)। आरआरआर के बाद महेश बाबू को लेकर 3 भागों में फिल्म बनाने वाले एसएस राजामौली सोशल मीडिया पर चर्चाओं में है। उनकी चर्चा महाभारत पर फिल्म बनाने को लेकर हो रही है। महाभारत के लिए राजामौली ने कहा है कि उनकी महाभारत ऐसी फिल्म होगी जिसके बारे में आपने न पहले कभी देखा होगा और न पहले कभी सुना होगा। कहानी वही होगी लेकिन उसे पेश करने का अंदाज जुदा होगा। डायरेक्टर एसएस राजामौली ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाते हैं तो वो फिल्म कैसी होगी। राजामौली ने अपनी बहन के पति डॉक्टर एवी गुरुवा रेड्डी से बात करते हुए बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाने पर आ गए तो वो 10 अलग-अलग पार्ट में पूरी महाभारत को फिल्माना चाहेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राम चरण के साथ हुई बातचीत में राजामौली ने बताया था कि उनकी महाभारत का मटेरियल और कैरेक्टर उससे पूरी तरह अलग होंगे, जिस तरह हम आज महाभारत की सेटिंग और किरदारों को जानते हैं। राजामौली ने कहा था कि मैं महाभारत में अपने किरदारों को जिस तरह से पेश करूंगा, वैसा कुछ आपने पहले कहीं भी न कभी देखा होगा, न सुना होगा। मेरे मन में महाभारत को लेकर ऐसा ही कुछ विजन है। मैं अपने तरीके से आपको महाभारत की कहानी सुनाऊंगा। न ही कहानी बदलेगी, न तो इसके किरदार लेकिन मैं ये जानता हूं कि मुझे इन किरदारों को किस तरह पेश करना है और उनके बीच के कनेक्शन-इमोशन को स्क्रीन पर कैसे दिखाना है।

पहली बार बेटी से 4 दिन दूर रहीं आलिया

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट ने बताया कि मेट गाला के दौरान वे पहली बार अपनी बेटी से 4 दिन दूर रहीं। अब आलिया ने एक इंटरव्यू में राहा और उनके बीच बन रहे मूमेंट्स को लेकर बात की है। राहा अभी केवल 6 महीने की है और अब वो अपनी मां यानी आलिया के साथ जुड़ने लगी है। अपनी बातचीत में, आलिया ने सबसे प्यारी चीज का खुलासा किया जो राहा ने करना शुरू कर दिया है और केवल मां ही हैं जो उस चीज को अच्छे से समझ सकती है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि कैसे राहा ने ब्रेस्टफीडिंग के समय समय उसके चेहरे को छूना शुरू कर देती है और आलिया के लिए यह सबसे अच्छा पल बन गया है। अपने इंटरव्यू के दौरान, आलिया से उनके जीवन में अब तक की सबसे अच्छी चीज के बारे में पूछा गया, जिस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मेरी बेटी ने मेरे चेहरे को छूना शुरू कर दिया। मुझे लगता है कि यह पिछले हफ्ते मेरे साथ हुई सबसे अच्छी चीज है। क्योंकि अब जब मैं उसे ब्रेस्टफीडिंग कराती हूं तो वह बस एक मिनट लेती है, मेरी तरफ देखती है, और मेरे चेहरे को छूना शुरू कर देती है। यह हम दोनों के बीच एक रोमांटिक पल जैसा है। और यह वास्तव में मेरे साथ अब तक की सबसे अच्छी चीज है। मेरा जीवन। शूटिंग के सबसे कठिन हिस्से के बारे में बात करते हुए, विशेष रूप से प्रेग्नेंसी के दौरान एक एक्शन फिल्म के बारे में, आलिया ने उसी इंटरव्यू में कहा, मेरी बेटी के साथ हर दिन एक नया दिन है, जो एक नए हावभाव या एक नई अभिव्यक्ति का अनुभव करता है। मैं कहती रहती हूं कि सबसे महत्वपूर्ण चीज जो मैंने सीखी है वह है धैर्य।÷ अपनी नन्ही परी राहा के साथ मदरहुड इंजॉय कर रही आलिया भट्ट इन दिनो काफी खुश नजर आती हैं।

इंटीमेट सीन्स करने से हिचक रहे थे नवाजुद्दीन

मुंबई (ईएमएस)। अनुराग कश्यप की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में एक्ट्रेस कुब्रा सैत के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और सैफ अली खान ने भी काम किया है। सेक्रेड गेम्स में कुब्रा सैत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बीच काफी इंटीमेट सीन्स थे। लेकिन इन सीन्स को करने में नवाजुद्दीन सिद्दीकी काफी हिचक रहे थे। उनकी हिचक दूर करने के लिए कुब्रा सैत ने एक तरकीब सोची, जिसके बारे में उन्होंने अब बताया है। एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने बताया कि इंटीमेट सीन शूट करने से पहले वह नवाजुददीन को गाल पर किस किया करती थीं। कुब्रा सैत ने बताया कि वह नवाजुद्दीन को कंफर्टेबल फील करवाने की काफी कोशिश किया करती थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, नवाजुद्दीन बेहद शर्मीले इंसान हैं।कुब्रा सैत ने कहा, वह सीन पहले दिन शूट किया गया था। यह पहले दिन का आखिरी सीन था। मुझे बस जाकर सीन पूरा करना था। मुझे याद है कि हमने सीन पूरा किया और सीन को पूरा करने के लिए हमने सात टेक लिए। सातवें टेक तक, हम कितने घंटे फिल्मा रहे थे, इसकी गिनती खो चुके थे। आखिर में मैं फर्श पर गिर गया और वापस नहीं उठ सकी। मैं थक गई थी। मैं लगातार रो जा रही थी। जब मैं सिसक रही थी तो नवाजुद्दीन और एके (अनुराग कश्यप) ने मुझे उठाया और कस कर पकड़ लिया। मैंने बहुत धीमी आवाज में कट सुना।इसके बाद कुब्रा सैत ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी संग शूट किए गए इंटीमेट सीन के बारे में कहा, मुझे वह बहुत पसंद हैं। वह एक खूबसूरत इंसान हैं और कमाल के को-स्टार हैं। साथ ही बहुत शर्मीले भी हैं। हमारे एक साथ वो सारे क्रेजी (इंटीमेट) सीन्स भी थे। मुझे लगता है कि वह इस पृथ्वी पर सबसे शर्मीले इंसान हैं। तो उनसे पकड़ पकड़ के सीन करवाना पड़ता था। मैं उनके गालों पर किस करती थी और कहती थी कि चल ना सेक्स सीन करते हैं। यह मेरा काम है मुझे ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है। इससे पहले कुब्रा सैत ने सेक्रेड गेम्स में अपने फ्रंट न्यूडिटी वाले सीन के बारे में बात की थी और बताया था कि किस तरह अनुराग कश्यप ने उनसे वह सीन सात बार करवाया था।

टाई साल की पुत्री गंभीर, बड़वारा थाना क्षेत्र के गांव बंदरी में दिलदहला देने वाली घटना

पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

कटनी, यशभारत। बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम बंदरी में पारिवारिक कलह ने एक परिवार को उजाड़ दिया। पत्नी की साथ नहीं जाने की जिद से भड़के पति ने कुल्हाड़ी से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी और ढाई साल की बच्ची पर भी हमला करने के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दिल को दहला देने वाली इस घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार विदिशा जिले के लखनगार निवासी दीप सिंह की बड़वारा के बंदरी गांव में ससुराल थी। वह मायके में रह रही पत्नी रूपा को साथ ले जाने के लिए बंदरी आया था। सोमवार की रात जब ससुराल के लोग वैवाहिक कार्यक्रम में गए थे तो पति दीप ने पत्नी रूपा पर लखनगरा चलने के लिए दबाव डालने लगा। पत्नी के इंकार करने पर वह आपे से बाहर हो गया और कुल्हाड़ी से उस पर हमला कर दिया। पत्नी पर हमला करने के बाद दीप सिंह ने पास ही सो रही ढाई साल की बच्ची पूनम पर भी हमला किया। हमले में पत्नी व पुत्री दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस वारदात के बाद पति ने उसी कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वैवाहिक कार्यक्रम से लौटे परिवार के अन्य सदस्यों ने घर का नजारा देखा तो सकते में आ गए और रात को ही बड़वारा थाने को सूचना दी। तब तक रूपा की सांस चल रही थी तो उसे पहले बड़वारा अस्पताल फिर कटनी जिला अस्पताल भेजा गया पर गंभीर घाव के चलते पत्नी की मौत हो गई। वहीं पुत्री का उपचार चल रहा है तथा उसकी हालत भी नाजुक बनी हुई है।

दीप व रूपा ने किया था प्रेम विवाह

बड़वारा थाना प्रभारी रश्मि सोनकर ने बताया कि दीपक ने रूपा से सात साल पहले प्रेम विवाह किया था। रूपा परिवार के साथ मजदूरी करने विदिशा जाती थी, उसी दौरान दोनों संपर्क में आए और शादी कर ली। दोनों के दो बच्चे हैं, बेटा दादा-दादी के पास है जबकि बेटी को रूपा साथ लेकर मायके बंदरी आ गई थी। बच्ची का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। आरएमओ डॉ. मनीष मिश्रा ने बताया कि बच्ची की हालत गंभीर है। उसे बार-बार झटके आ रहे हैं।

इनका कहना है

घरेलू विवाद में युवक ने कुल्हाड़ी मारकर पत्नी की हत्या कर दी। खुद घर के भीतर फंदे पर लटका मिला था। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

-शालिनी परस्ते, डीएसपी मुख्यालय

फार्म हाऊस में क्रिकेट का सट्टा खिलाते चार गिरफ्तार

सरसवाही के जंगल में एनकेजे पुलिस की कार्रवाई

कटनी, यशभारत। एनकेजे पुलिस को क्रिकेट का सट्टा पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस ने सरसवाही के जंगल में स्थित एक फार्म हाऊस में दबिश देकर चार लोगों को सट्टा खिलाते पकड़ा है। आरोपियों के पास क्रिकेट सट्टा खिलाने के उपयोग में लाए जा रहे अत्याधुनिक उपकरण, मोबाइल सहित मोटर सायकल बरामद की गई हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने आज पुलिस नियंत्रण कक्ष में आयोजित पत्रकारवार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक श्री रंजन ने बताया कि एनकेजे थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय को मुखबिरों ने सूचना दी कि सरसवाही के जंगल में स्थित राणा फार्म हाऊस में कुछ लोग आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खिला रहे हैं। श्री राय ने मुखबिरों से मिली इस सूचना से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया और मामले में आवश्यक दिशा निर्देश व मार्गदर्शन लेकर अपने स्टाफ के साथ फार्म हाऊस की घेराबंदी करके छापे मारी की। छापे के दौरान संतनगर निवासी जय मूलचंदानी पिता नानक राम मूलचंदानी, बैलटघाट निवासी मोहम्मद असगर पिता मोहम्मद खलील उद्दीन, पन्ना मोड़ निवासी चंदन नाकरा पिता वेद प्रकाश नाकरा व शुभसिटी अमीरगंज निवासी भरत मूलचंदानी पिता अशोक मूल चंदानी क्रिकेट सट्टा खिलाते पुलिस के हत्थे चढ़ गए। आरोपियों के 7 नग मोबाईल, केलकुलेटर, 1 चार्जर व केवल, 3 मोटर सायकल, 4 डाट पेन, क्रिकेट सट्टे से संबंधित सट्टा पट्टी के अलावा 9 हजार रूपए नगद बरामद किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध सट्टा एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

अत्याधुनिक उपकरण, बाइक, नगदी व बाइक बरामद

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन :- 230033

डॉ. निशा श्रीवास्तव
एमबीबीएस एमएस ईएंटी गोल्ड मेडलिस्ट
Fellowship in Skull Base Surgery; Ex surgeon AIIMS; Specialist in microscopic Ear, Head-Neck and Endoscopic sinus surgery (FESS) नाक कान एवं गला विशेषज्ञ
नाक, कान, मुंह एवं गले व थायरॉइड का ऑपरेशन व इलाज
इन लक्षण दिखने पर करें संपर्क:- कान से पानी बहना, नाक ब्लॉक, एलर्जी, आवाज में बदलाव, सिर में दर्द खर्राटे, टांसिल कानों में सीटी बजना, चक्कर आना गले व चेहरे में किसी प्रकार की गठान, थायराइड की जांच व उपचार हकलाना तुतलाना मुंह में छाले, मुंह कम खुलना व अन्य गले का कैंसर नाक कान व गले से संबंधित बीमारी के स्पेशलिष्ट प्रख्यात डॉक्टर
पता:- आरोग्य डेंटल के सामने वाणी डायग्नोस्टिक के बाजू में ओम शांति हॉस्पिटल के पास आदर्श कॉलोनी कटनी (म.प्र.) Mob:9431777003, Email:-nisha.drent@gmail.com

मशीन के द्वारा LED & LCD TV के डिस्प्ले (PANEL) एवम सभी प्रकार की रिपेयरिंग की जाती है। सभी SIZE के डिस्प्ले भी बेचे जाते हैं। 17, 19, 24, 32, 40, 43, 50, 55, 65 इंच के
राजेन्द्र इलेक्ट्रॉनिक्स
पता:- सब्जी मंडी, राधाकृष्ण मंदिर के पीछे राधाबाई मार्केट, कटनी मो. 9893082665, 9039455536

त्रयोदशी संस्कार

अत्यंत दुरूख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि स्व. श्री बद्रीप्रसाद जी अग्रवाल के कनिष्ठ पुत्र
श्री छगनलाल जी अग्रवाल (एडवोकेट)
का देहावसान दिनांक 5 मई 2023 दिन शुक्रवार को हो गया है। जिनकी आत्मशांति हेतु गंगाजलि पूजन एवं तेरहवीं गुरूवार दिनांक 18 मई 2023 को है।
पगड़ी रस्म एवं देवदर्शन
गुरूवार 18 मई 2023 सायं 4 बजे
स्थल- अग्रवाल धर्मशाला, हीरागंज, कटनी (म.प्र.)
शोकाकुल परिवार
विद्यावती अग्रवाल (मां) लखन लाल अग्रवाल (भाई), सुषमा अग्रवाल (धर्मपत्नी), अंशुल अग्रवाल (भतीजा) कु. कांची अग्रवाल, मजिस्ट्रेट (पुत्री) एवं समस्त भारती परिवार
मो. 9826620760, 9754516443
प्रतिष्ठान- भारती प्लाईवुड गोलबाजार, कटनी मो. 9826439595

आइए... इस गर्मी का आनंद उठाएं
भारती स्विमिंग पूल
सहयोगी प्रतिष्ठान:- भारती कलेक्शन
श्री विश्वस लहंगा एंड ज्वेलरी
दुल्हन हेतु ज्वेलरी एवं लहंगा के लिए संपर्क करें

जा कूजी, रेन डांस एवं वॉटर फाल
पता- शंभू टॉकीज रोड, संतनगर चौराहा, जोवियल पब्लिक स्कूल कटनी
मो. 9827574747 (अभिषेक अग्रवाल) 9826221947 (अंकुर अग्रवाल), 9993021947

सुनहरा अवसर

देश की अग्रणी ट्रेक्टर कंपनी आयशर ट्रेक्टर्स एवं समस्त कृषि उपकरणों के लिए ब्लाक व तहसील स्तर पर सबडीलरशिप देना है।
नोट :- अनुभवी एवं इनवेस्टमेंट करने वालों को प्राथमिकता।
स्थान :- आयशर वर्कशॉप चौरसिया मैरिज गार्डन के सामने एन.एच.7 मैहर रोड कुठला कटनी पिन-483501
फोन-8770038387, व्हाट्सएप-8878838502

RK Scrapers Academy
GRAMMATICAL & SPOKEN ENGLISH
Groom Your Own Knowledge Opened Since 2005
SSB INTERVIEW, SAINIK SCHOOL PREPARATION ALSO
AUDIO-VIDEO, NEWS & INTERVIEW PRESENTATION
NAYA GANV, NKJ, KATNI (M.P.)
CALL :- 9713489119,8817827660,9981313425

Director
Nemchandra Raidas (B.Sc. M.A. English literature)
Rashmi Raidas (M.A. SOCIOLOGY)

TIMES ACADEMY
फेल विद्यार्थी निराश न हों
MP BOARD/ CBSE BOARD
दसवीं/बारहवीं फेल विद्यार्थी Open School से फार्म भरें
BA, B.COM, BSC MATH,/B.IO, MA, M.COM, MSC, PGDCA, DCA, PG DIPLOMA IN COUNSELLING MBA, BBA, ITI, PPT
पता- मोहन मेडिकल के पास पवन मेडिकल के ऊपर, शहीद द्वार नई बस्ती कटनी मो:9200173627, 9301004148

JOB OPENING
Requirement/Skills
1. Tally Prime, 2. Micro-soft Excel, Word
3. Communication Skills
The Dinesh Goods Transport Co.
Address- Near Ajay Dall Mill Madhavnagar gate Acc Post Katni M.P.
Contact- Ayush Jain
Mo. 8989020207

डॉ. कनिका अग्रवाल
M.B.B.S. D.D.V. (Mumbai) IFAAM (Germany) Fellowship in Laser and Dermatosurgery (Thailand)
पूर्व चिकित्सक नानावटी हॉस्पिटल, मुम्बई
चर्म रोग एवं सौन्दर्य विशेषज्ञ
देवपद
स्किन एवं हेयर क्लीनिक
मिलने का समय- सोमवार से शनिवार
सुबह 11:00 से 2 सायं 5:00 से 7.30 बजे तक।
महावीर कीर्ति स्तंभ के सामने झंडा बाजार, कटनी मो. 7045044274

पाण्डेय आईस फैक्ट्री
Natural ICECREAM
प्रीमियम फ्लेवर
ताज़गी भरा रेशमी एहसास
5 लीटर पैक
शादी पार्टी के लिए 5 लीटर के किफ़ायती पैक में
आइसक्रीम 5 लीटर पैक मात्र ₹ 250/-
70/- बर्फ़
चौथाई सिल्ली 100/-
छोटी सिल्ली 400/-
बड़ी सिल्ली
बर्फ वाला आइसक्रीम पार्लर

SHRI HOSPITAL KATNI
डॉ. दीपक सक्सेना डॉ. शोभना सक्सेना
विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
डॉ. शोभित प्यासी बी.डी.एस./एम.डी.एस. रूट कैनाल विशेषज्ञ
डॉ. उपासना स्थापक बी.डी.एस./एम.डी.एस. पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ
संपर्क करें- श्री हॉस्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड बरगवां, कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

स्व-रोज़गार का नया अवसर
मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना
ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित (द्वितीय)
(पात्र युवाओं को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत बैंक ऋण से वाहन उपलब्ध कराकर प्रदाय केन्द्र से उचित मूल्य दुकानों तक राशन सामग्री के परिवहन बाबत्)
आवेदन की अंतिम तिथि 31.05.2023 (जानकारी विभागीय पोर्टल पर)
आवेदन आमंत्रित जिला 31 सेक्टर संख्या 128 (सेक्टर संख्या परिवर्तनशील है)
ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल https://samast.mponline.gov.in

आवेदक की अर्हता
- संबंधित सेक्टर के विकासखण्ड का मूल निवासी।
- उम्र 18 से 45 वर्ष।
- शैक्षणिक योग्यता- आठवीं कक्षा उत्तीर्ण।
- परिवार की अधिकतम वार्षिक आय रु. 12 लाख।
- हैवी मोटर व्हीकल संचालन हेतु स्थाई वैध लायसेंस धारक।
- बैंक से ऋण प्राप्त करने की पात्रता (डिफाल्टर न हो)।
- शासकीय सेवक और पेंशनर न हो (सेवानिवृत्त सैनिक को पात्रता होगी)।
- आवेदक अन्य स्व-रोजगार योजना में लाभांवित न हो।
- आपराधिक प्रवृत्ति एवं पृष्ठभूमि का न हो।

ऋण की स्वीकृति
- हितग्राही को वाहन मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें निम्नानुसार रियायत दी जाएगी-
- ऋण अवधि - 7 वर्ष;
- ब्याज अनुदान- 3% वार्षिक;
- ऋण गारंटी (CGTMSE) शुल्क की वापसी;
- विभाग द्वारा अधिकतम ₹ 1.25 लाख प्रति वाहन मार्जिन मनी अनुदान;
- हितग्राही द्वारा ₹ 1.25 लाख मार्जिन मनी जमा करना होगी;

योजना के मुख्य प्रावधान
- बैंक के माध्यम से अधिकतम राशि ₹ 25 लाख की कीमत के वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे।
- हितग्राही को 7.5 मै. टन क्षमता का वाहन क्रय करना होगा।
- खाद्यान्न मात्रा एवं दूरी अनुसार ₹ 45 से 65 प्रति क्विंटल परिवहन एवं हैण्डलिंग व्यय देय।
- अन्य योजना के खाद्यान्न/शक्कर/नमक के परिवहन पर विभाग द्वारा निर्धारित परिवहन व्यय का भुगतान।
- सेक्टरवार परिवहन एवं हैण्डलिंग दरें पोर्टल पर उपलब्ध।
- विभाग द्वारा सूचीबद्ध वाहनों में से हितग्राही द्वारा वाहन का चयन।
- राशन सामग्री के परिवहन हेतु हितग्राही से 7 वर्ष के लिए अनुबंध किया जाएगा।
- शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों पर प्रदर्शन।

जिन जिलों एवं सेक्टर्स में आवेदन आमंत्रित हैं, उनकी एवं योजना की जानकारी विभागीय पोर्टल https://food.mp.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट/पोर्टल पर ही जारी किए जाएंगे। आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार जिला कलेक्टर के पास सुरक्षित है। योजना के संबंध में जानकारी कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) एवं राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0755-2551471 पर प्राप्त की जा सकेगी।
संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
"घ" खण्ड, प्रथम तल, विन्ध्याचल भवन, भोपाल (मध्यप्रदेश)
D-11024

naturals
India's No.1 hair and beauty salon
OPEN NOW
@ CITY MALL
@ City Mall Katni, 2nd Floor, Barhi Road, Near Main Railway Station, Katni M.P. - 483 501
Mobile : 9343609476

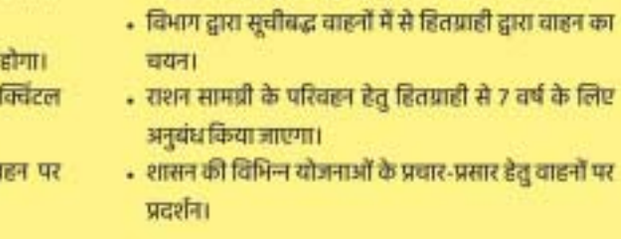

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)